सतना
11 अगस्त 2026 मंगलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

देश में खेती प्रधान 12 राज्यों में बारिश की भारी कमी, नहीं देखने को मिला मानसून का असर

नई दिल्ली,एजेंसी। पिछले एक हफ्ते में दिल्ली, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में अच्छी बारिश से इन इलाकों में बारिश की कमी को पूरा करने में मदद मिली लेकिन इससे पूरे देश में बारिश की कमी पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ा।

इस दौरान भारत में कुल बारिश की कमी में एक प्रतिशत की कमी आई। यह 2 अगस्त को 12% से घटकर 9 अगस्त को 11% हो गई। बिहार, झारखंड, यूपी, पंजाब और आंध्र प्रदेश जैसे कई खेती-प्रधान राज्यों में अभी भी कम बारिश हो रही है।

फसलों की बुआई के बाद हुई बारिश: इसके अलावा कई इलाकों में बारिश तब हुई जब देश के कुल बोए गए क्षेत्र के लगभग 88% हिस्से में खरीफ की फसलों की बुआई पूरी हो चुकी थी। नतीजतन, पिछले एक हफ्ते में बुआई वाले क्षेत्र की कमी में केवल 1% तो मुख्य खरीफ फसल धान की बुआई का क्षेत्र पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में अभी भी 4% कम है।

फिर भी अगस्त की बारिश से जलाशयों में पानी का भंडारण बेहतर होगा जो पनबिजली क्षमता के इस्तेमाल और अगले बुआई के मौसम के लिए बैक-अप तैयार होने के लिहाज से एक अच्छा संकेत है।

12 राज्यों में बारिश की भारी कमी: रविवार तक 12 राज्यों में बारिश की भारी कमी (20% या उससे ज्यादा) दर्ज की गई है। इन इलाकों में बिहार, झारखंड और यूपी में देश का मानसून कोर जोन (मुख्य मानसून क्षेत्र) शामिल है, जहां सिंचाई की खराब व्यवस्था के कारण खेती मुख्य रूप से मौसमी बारिश पर निर्भर करती है।

इन राज्यों में बढ़ सकती है बारिश की गतिविधि... हालांकि, मौसम विभाग ने रविवार को भविष्यवाणी की कि गुरुवार के आसपास उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना के कारण 13 अगस्त से बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश की गतिविधि बढ़ सकती है। इससे बिहार और झारखंड में धान और मक्के की बुआई में कुछ हद तक तेजी आ

झारखंड विधानसभा के पास पहुंचे छात्रों पर लाठीचार्ज

● प्रदर्शनकारियों ने चप्पल, बोतलें फेंकीं, कंटीले तार की बैरिकेडिंग पर चढ़े, वाटर कैनन पर डांस किया

रांची,एजेंसी। झारखंड के रांची में JPSC-JSSC में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा के करीब पहुंच गए हैं। वहीं, धरना शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। छात्रों की ओर से पानी की बोतल और चप्पलें फेंकी गई हैं।

इधर, CID ने JPSC के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को JPSC ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी।

पुलिस प्रदर्शनकारियों को कंटीले तार की बैरिकेडिंग और वाटर कैनन से रोकने की कोशिश की तो छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए।

विधानसभा को चारों तरफ से 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। CCTV कैमरों से निगरानी की जा रही है। वहीं, 9 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस से विधानसभा मार्च में शामिल हुए। इस बीच भाजपा विधायक भी छात्रों के समर्थन में ष्ट्रू हाउस के सामने धरने पर बैठे, जिन्हें बाद में पुलिस ने वहां से हटा दिया। छात्र झारखंड PSC-SSC की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष अरेस्ट : जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी कार्यालय में सीआईडी और रांची पुलिस की छापेमारी के बाद चेयरमैन एल ख्यांगते ने इस्तीफा दे दिया था। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 22 जुलाई को इस्तीफा मंजूर कर लिया था। इसके बाद से उनसे सीआईडी लगातार पूछताछ कर रही थी।

लाठीचार्ज में छात्र का सिर फटा... विधानसभा के पास पुलिस लाठीचार्ज में छात्र के सिर पर चोट आई है। घायल छात्र विक्रम कुमार ने कहा, 'हेमंत सोरेन जी, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था। हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे थे। हमने कोई गाली-गलौज भी नहीं की थी। अचानक पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। यह ठीक नहीं है।

: ब्रीफ बॉक्स :

छात्रों पर विवादित बयान देने वाला केरलम का यूट्यूबर गिरफ्तार

कोच्चि,एजेंसी। केरलम पुलिस ने सोमवार को राइट विंग कमेंटेटर और यूट्यूबर टीजी मोहनदास को गिरफ्तार किया। उन पर NEET पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। पुलिस ने जांच के लिए डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं। पुलिस के मुताबिक, मोहनदास ने 24-25 जुलाई को यूट्यूब चैनल 'पथरिका' पर वीडियो अपलोड किए थे। मोहनदास पर आरोप है कि उन्होंने वीडियो में कहा- 'जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन में 'गैंगरेप की घटनाएं हो सकती हैं', लेकिन इसकी कोई शिकायत नहीं होगी क्योंकि प्रदर्शन में शामिल होने वालों को रेप पसंद है और कुछ लड़कियां हैं जो रेप का आनंद लेती हैं।' उन्होंने कहा था कि अगर वह होते तो जंतर-मंतर पर कर्फ्यू लगा देते और प्रदर्शनकारियों को हटने का आदेश देते। अगर प्रदर्शनकारी नहीं मानते, तो वे फायरिंग का आदेश देते।

तीन बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार

इनमें यूसुफ-अबू ताहिर, बोले- हम एनडीए में नहीं

कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने कहा है कि वे BJP में शामिल नहीं होंगे और वे NDA का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे BJP की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी TMC सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (NCPI) में विलय किया था। इसके बाद NDA को समर्थन देने की घोषणा की थी।

हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से NCPI सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अबू ताहिर और खलीलुर रहमान के मुताबिक, स्पीकर अभी भी उन्हें संसद में TMC सांसद कहकर संबोधित करते हैं और उनके नाम के साथ TMC लिखा जाता है।

एमपी-राजस्थान के 15 से ज्यादा शहरों में बाढ़ जैसे हालात

● बाड़मेर-बीकानेर में सड़कें डूबीं ● यूपी में गंगा का पानी हाईवे पर आया

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश और राजस्थान के 15 से ज्यादा शहरों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। एमपी के भोपाल, रायसेन, उज्जैन, देवास सहित कई शहरों में रविवार रात से मूसलाधार बारिश हो रही है।

राजस्थान के जयपुर स्थित कानोता और झालावाड़ का कालीखाड़ डैम ओवरफ्लो हो गया है। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में रविवार रात सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। बाड़मेर में भी सड़कें लबालब हो गईं। रेलवे स्टेशन, सब्जी मंडी, हॉस्पिटल रोड समेत प्रमुख इलाकों में 2 से 4 फीट तक पानी भर गया। कई जगह दुकानों और घरों में भी पानी घुस गया।

यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

एमपी के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से बही कार, 4 की मौत: राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल से ईको कार बह गई। इसमें कुल 11 लोग सवार थे। इनमें से दो लोग बाहर निकल आए। अब तक 4 शव बरामद किए जा चुके हैं। बचाव दल बाकी लोगों की तलाश कर रहा है। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात हुआ। सूचना मिलते ही एसडीएम रोहित बम्होरे और एसडीओपी अरविंद सिंह मौके पर पहुंचे।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से 124 सड़कें बंद... हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण 124 सड़कें बंद हो गई हैं। वहीं, 255 डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर (DTR) भी ठप पड़े हैं। सड़कों के बंद होने से मंडी सबसे ज्यादा प्रभावित है, जहां 51 सड़कें बंद हैं। इसके बाद कुल्लू में 39 और शिमला में 13 सड़कें बंद हैं।

उधर, पचोर में नरसिंहगढ़ से आ रही भार्गव ट्रैवल्स की बस उफनते नाले में फंस गई। पानी का बहाव तेज होने की वजह से बस लहराने लगी। यात्रियों ने कूदकर जान बचाई।

नाले में बही कार, 7 शव बरामद गाड़ी में 11 लोग सवार

» 2 कूदकर बाहर आए राजगढ़ में बाकी को तलाश रही रेस्क्यू टीम

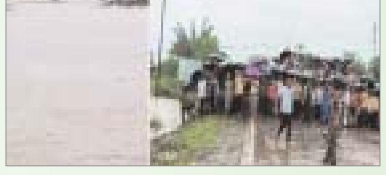

सारंगपुर (राजगढ़),एजेंसी। राजगढ़ में ईको वैन नाले में बह गई। इसमें एक ही परिवार के कुल 11 लोग सवार थे। अब तक 7 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें तीन पुरुष, दो महिला और तीन साल का बच्चा शामिल है। बचाव दल बाकी लोगों की तलाश कर रहा है। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में सोमवार सुबह करीब 9 बजे हुआ। सभी शवों को सारंगपुर लाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, ईको सवार सभी लोग देवास के रहने वाले हैं। वे सतवास से कड़लावद गांव जा रहे थे। इनमें 3 पुरुष, 4 महिला और 4 बच्चे थे। कार सतवास के धांसड़ गांव निवासी मुकेश सिंह चौहान के नाम पर रजिस्टर्ड है। वही कार चला रहा था। मुकेश और उसके चाचा हुकुम सिंह हादसे के बाद तैरकर नाले से बाहर निकल आए। हादसे के तुरंत बाद 4 लोगों की मौत की जानकारी आई थी लेकिन रेस्क्यू के दौरान मृतक संख्या बढ़कर 7 हो चुकी है।

अधूरा पुल नहीं देख पाया ड्राइवर: पड़ाना के पास झिरी नाले पर 30 फीट का पुल निर्माणाधीन है। तेज बारिश की वजह से पानी पुल के ऊपर बह रहा है।

बंगाल के जलपाईगुड़ी में किसान का अपहरण 20 बांग्लादेशी बदमाशों पर आरोप

» परिवार का दावा- चाय बागान से उठाकर बॉर्डर पार ले गए

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में 35 साल के चाय किसान दीपांकर गोप के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके के एक चाय बागान में हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार का आरोप है कि करीब 20 बांग्लादेशी बदमाश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर चाय बागान में पहुंचे और दीपांकर को जबरन अपने साथ बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में ले गए। परिवार का दावा है कि इसी हफ्ते सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश नाकाम हुई थी। इसके बाद बदला लेने के लिए दीपांकर का अपहरण किया गया।

बीएसएफ ने बांग्लादेश से बातचीत की: अपहरण के बाद BSF मौके पर पहुंची और दीपांकर की रिहाई की कोशिश शुरू की।अधिकारियों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ फ्लैग मीटिंग भी की। हालांकि, शनिवार रात तक दीपांकर को रिहा नहीं किया गया था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वह BGB की हिरासत में है।

बांग्लादेशी मीडिया का दावा- पहले भारत ने कार्रवाई की... यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश का हवाला देते हुए बांग्लादेशी मीडिया ने एक अलग दावा पेश किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कार्रवाई BSF के 78 साल के बांग्लादेशी बुजुर्ग को पकड़ने के जवाब में की गई है।

राममंदिर चढ़ावा चोरी: सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

अगली हियरिंग पर एसआईटी अपनी स्टेटस रिपोर्ट पेश करेगी

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज, 10 अगस्त को सुनवाई टल गई। कोर्ट अब अगले हफ्ते इस पर सुनवाई करेगा। SIT अपनी स्टेटस रिपोर्ट अगले हफ्ते कोर्ट के सामने पेश करेगी। कोर्ट जांच की प्रगति की समीक्षा करेगा।

यदि जांच में कोई कमी या अतिरिक्त दिशा-निर्देश की आवश्यकता हुई, तो सुप्रीम कोर्ट आगे के आदेश दे सकता है। वहीं, अयोध्या कोर्ट में भी आज ही सुनवाई होनी है। जेल में बंद 8 आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी होगी।

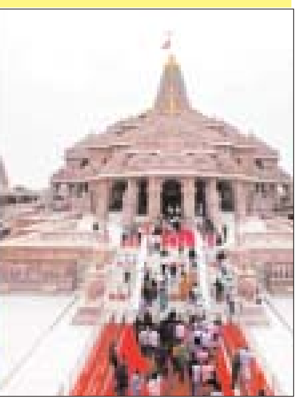

इससे पहले 27 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सुनवाई हुई थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया- नई SIT बना दी गई है। IG किरण एस इसे लीड कर रहे हैं।

टीम में एक डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (DIG), एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) और एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) भी शामिल हैं।

चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल से पूछा- क्या चोरी की जांच कर रही एसआईटी की इस नई टीम को हर चीज का एक्सेस होगा? इसपर तुषार मेहता ने हामी भरी।

CJI ने कहा- हम इस जांच को बंद नहीं कर रहे हैं। चोरी के इस मामले में और भी सुधार के कदम उठाने होंगे। SIT में फॉरेंसिक ऑडिटर को शामिल करिए। ऑडिटर वित्तीय अपराधों का पता लगाने के लिए खातों और रिकॉर्ड्स की जांच करेगा।

कोर्ट ने SIT को निर्देश दिया कि वह दो हफ्ते के भीतर अपनी जांच की स्टेटस रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे। कोर्ट ने 20 जुलाई को यूपी सरकार को नए सिरे से विशेष जांच टीम (SIT) गठित करने का आदेश दिया था।

26/11 हमले से जुड़े लश्कर आतंकी अब्दुल-अजीज की मौत

इस्लामाबाद,एजेंसी। 26/11 मुंबई आतंकी हमले से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी कारी सईद अब्दुल-अजीज की पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मौत हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह कुबा मस्जिद के बाहर अचानक गिर पड़ा, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मस्जिद पहुंचने से पहले अजीज ने एक रेस्टोरेंट में खाना खाया था। इसके बाद नमाज के लिए पहुंचने पर वह अचानक गिर पड़ा। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने भी घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

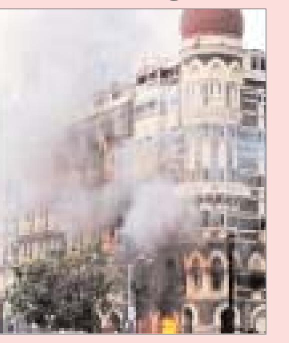

अजीज पर 26 नवंबर 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की साजिश में शामिल होने का आरोप था। हमले में लश्कर के 10 आतंकियों ने मुंबई के कई ठिकानों को निशाना बनाया था। इसमें 166 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। उस पर लश्कर की एक यूनिट संभालने का भी आरोप था, जो आतंकियों के बीच कम्युनिकेशन और जम्मू-कश्मीर में मारे गए लश्कर आतंकियों के परिवारों को आर्थिक मदद से जुड़े काम देखती थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अलग-अलग घटनाओं में 30 से 40 लश्कर ऑपरेटिव्स मारे जा चुके हैं। हालांकि, इन घटनाओं और अजीज की मौत के बीच कोई सीधा संबंध होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पाकिस्तान में लश्कर आतंकियों की रहस्यमय मौतों का सिलसिला जारी... अजीज की मौत ऐसे समय हुई है, जब पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई आतंकियों और ऑपरेटिव्स की रहस्यमय तरीके से हत्या की खबरें सामने आती रही हैं।

तमिलनाडु विधानसभा:सभी सरकारी कार्यक्रमों में तमिल एंथम अनिवार्य, प्रस्ताव हुआ पारित

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में राज्य गीत से जुड़ा अहम प्रस्ताव सोमवार को पारित कर दिया गया है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के साथ कांग्रेस पार्टी ने इसका समर्थन किया। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने प्रस्ताव पेश किया था।

इस प्रस्ताव में राज्य के शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में होने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत से पहले राज्य गीत 'तमिल थाई वाजथु' को औपचारिक रूप से अनिवार्य करने की बात कही गई है।

विजय ने भावुक संबोधन में कहा, तमिल सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि हमारी जिंदगी और भावना भी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मातृभाषा उतनी ही पवित्र है, जितनी किसी की मां।

मुख्यमंत्री ने क्या कहा? प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में तमिल थाई वाजथु को सबसे ज्यादा प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, तमिल का मतलब गर्व है, तमिल का मतलब शक्ति है। जैसे ही आप 'तमिल' कहते हैं, पूरा तमिलनाडु एकजुट हो जाता है। तमिल थाई वाजथु को तमिलनाडु में पहला स्थान मिलना चाहिए। तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान देना हमारा राज्य का अधिकार है।

ठाणे और विशाखापत्तनम में डेटा सेंटर के निर्माण का विरोध, पानी और बिजली के दोहन का लगाया आरोप

मुंबई, एजेंसी। एआई के क्षेत्र में वैश्विक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को अब स्थानीय स्तर पर कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र के ठाणे और आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तम में निवासियों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने गूगल-अदानी और अमेजन द्वारा समर्थित विशाल डेटा सेंटर परियोजनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि रिहायशी इलाकों में बन रहे ये डेटा सेंटर स्थानीय जल स्त्रोतों, बिजली आपूर्ति और भूमि पर अत्यधिक दबाव डालेंगे, जबकि कंपनियां उन्नत कूलिंग तकनीकों का हवाला दे रही हैं।

अमेजन और गूगल ने रखा अपना पक्षः हालांकि, बढ़ते जनाक्रोश के बीच अमेजन और गूगल ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया है कि वे उन्नत एयर-कूलिंग तकनीक का उपयोग कर रहे हैं और स्थानीय पीने के पानी या पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सख्त मानकों का पालन करेंगे। गौरतलब है कि यह विरोध प्रदर्शन ऐसे समय में हो रहा है, जब केंद्र सरकार डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश को प्रोत्साहित कर रही है। इसी साल फरवरी में हुए एआई इम्पैक्ट समिट में पीएम मोदी ने वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों से अपने डेटा को भारत में ही रखने का आग्रह किया और देश को एआई बुनियादी ढांचे के केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। भारत में डेटा केंद्रों को 2022 में बुनियादी ढांचे का दर्जा दिया गया, जबकि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में योग्य विदेशी क्लाउड सेवा प्रदाताओं के लिए 2047 तक कर छूट की घोषणा की गई। कई राज्यों ने भी निवेश आकर्षित करने के लिए नीतियां और प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं।

क्यों हो रहा विरोधः ठाणे में बन रहा डेटा सेंटर बल्कुम और माजिवाड़ा में लगभग 53-58 एकड़ में फैली हुई है। विरोध प्रदर्शन के अभियान का नेतृत्व कर रही साधना प्रधान ने कहा कि ठाणे की आधी आबादी टैंकर के पानी पर निर्भर है। रिहायशी इलाके में डेटा सेंटर क्यों बनाया जा रहा है और सभी नागरिकों को परेशानी में क्यों डाला जा रहा है निवासियों का कहना है कि वे तकनीक या एआई के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि घनी आबादी वाले रिहायशी इलाके में देश के सबसे बड़े डेटा सेंटरों में से एक का निर्माण करने के खिलाफ हैं, क्योंकि इससे आबादी पर पड़ने वाले प्रभाव पर पूरी तरह विचार नहीं किया गया। निवासियों ने इसका विरोध तब शुरू किया, जब उन्हें पता चला कि डेटा केंद्रों को आवश्यक सेवाओं की श्रेणी में रखा गया है, जिससे उन्हें चिंता हुई कि पानी और बिजली की कमी के दौरान उन्हें प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति मिल सकती है।

अमेजन का आया जवाब

इस विरोध के बाद अमेजन का जवाब आया है, उसने कहा कि ठाणे में बन रहे उसके डेटा सेंटर में कूलिंग के लिए पानी का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। हम वर्तमान में भारत में अपने किसी भी डेटा सेंटर में कूलिंग के लिए पानी का इस्तेमाल नहीं करते हैं, और न ही कूलिंग के लिए स्थानीय पीने योग्य पानी का उपयोग करते हैं। ठाणे डेटा सेंटर के लिए स्वीकृत जल आपूर्ति परमिट 0.01 एमएलडी है और यह पूरी तरह से बुनियादी मानवीय जरूरतों के लिए है, जिसमें अमेजन कर्मचारियों के लिए शौचालय और पीने का पानी शामिल है। गीगावाट क्लस्टर के रूप में नियोजित यह विशाल परियोजना तीन अलग-अलग स्थानों पर विभाजित होगी। यह परियोजना तारलुवाडा में लगभग 200 एकड़, अदावीवरम-मुदसारलोवा में 120 एकड़ और अनाकापल्ली जिले के रामबिल्ली में 160 एकड़ क्षेत्र में फैली

सरकारी कार्यक्रमों में तमिल एंथम अनिवार्य, तमिलनाडु विधान सभा में प्रस्ताव पेश; डीएमके-एआईडीएमके ने किया समर्थन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव के तहत राज्य भर में सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में राज्य गीत तमिल थाई वाजथु गाना अनिवार्य कर दिया गया है। विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए विजय ने कहा कि उनकी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार तमिलनाडु के भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने विधायकों से इस कदम का समर्थन करने के लिए राजनीतिक मतभेदों को भुलाने की अपील की।

'मां की तरह पवित्र है हमारी मातृभाषा': विजय ने भावुक भाषण में कहा, 'हमारी मातृभाषा उतनी ही पवित्र है जितनी हमारी मां।' उन्होंने आगे कहा, 'तमिल सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारा जीवन और हमारी भावनाएं भी है। तमिल का मतलब है गर्व, तमिल का मतलब है शक्ति।' उन्होंने कहा, 'जिस पल आप तमिल कहते हैं, पूरा तमिलनाडु एकजुट होकर एक साथ खड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा, 'तमिलनाडु में तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान मिलना चाहिए।

तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान देना हमारा राज्य का अधिकार है।' तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने सभी पार्टियों के सदस्यों से प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा, 'तमिल थाई वाजथु को सबसे पहले गाया जाना चाहिए, इस बात को लेकर कोई राजनीतिक बहस नहीं होनी चाहिए।'

डीएमके और एआईएडीएमके ने भी किया समर्थनः इस प्रस्ताव के तहत, तमिलनाडु में शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सबसे पहले तमिल थाई वाजथु गाया जाएगा। इस प्रस्ताव को डीएमके और एआईएडीएमके दोनों दलों के विधायकों का समर्थन मिला। सदस्यों ने सरकारी कार्यक्रमों में राज्य गीत गाना अनिवार्य करने के सरकार के कदम का समर्थन किया। यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय की हालिया सलाह के बीच उठाया गया है, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् बजाने के 28 जनवरी के निर्देश का पालन करने को कहा गया था। यह कदम गृह मंत्रालय के 9 जुलाई के उस निर्देश की पृष्ठभूमि में भी उठाया गया है जिसमें सरकारी कार्यक्रमों में राज्य गीत गाने के बारे में बात कही गई थी।

प्रस्ताव में क्या कहा गया है

प्रस्ताव में तमिल थाई वाजथु को तमिल भाषा और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक बताया गया है और इसके अनिवार्य गायन को संविधान के तहत गारंटीकृत भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से जोड़ा गया है। प्रस्ताव में कहा गया है, 'यह सदन (तमिलनाडु विधानसभा) इस बात पर जोर देता है कि तमिल थाई वाजथु तमिल भाषा और तमिल संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। भारत के संविधान द्वारा दिए गए भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों के तहत और तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने के उद्देश्य से तमिलनाडु विधानसभा सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित करती है कि तमिलनाडु के सभी शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में आयोजित कार्यक्रमों की शुरुआत में तमिल थाई वाजथु का गायन अनिवार्य रूप से किया जाएगा।' इस प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी शास्त्रीय भाषाओं में से एक है और तमिल सभ्यता को दुनिया की सबसे पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं में से एक बताया गया है। तमिलनाडु ने सबसे पहले 23 नवंबर, 1970 को जारी एक सरकारी आदेश के जरिए यह निर्देश दिया था कि सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में तमिल थाई वाजथु गाया जाए। राज्य सरकार ने 12 दिसंबर, 2021 को औपचारिक रूप से इस गीत को राज्य गीत का दर्जा दिया और पूरे राज्य में सरकारी कार्यक्रमों और संस्थानों में इसे गाना अनिवार्य कर दिया। तमिल थाई वाजथु, 1891 में मनोन्मनीयम सुंदरनार द्वारा लिखे गए नाटक मनोन्मनीयम से ली गई मदर तमिल (तमिल भाषा की देवी) की स्तुति है।

हाईवे पर मिला खून से लथपथ शव, पुलिस को पत्नी और बेटे पर हत्या का शक

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में पिलरू कस्बे के पास तिरुपति हाईवे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला है। युवक की पहचान 47 वर्षीय सुब्रह्मण्यम के रूप में हुई है। शुरुआती तौर पर इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। लेकिन मृतक के पिता के आरोपों, घर में मिले खून के धब्बों और फुटेज ने मामले का रुख बदल दिया। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों के चलते सुब्रह्मण्यम की घर पर ही हत्या की गई और फिर शव को हाईवे पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी उमादेवी और बेटे लोहित को हिरासत में ले लिया है और दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यह एक सुनियोजित हत्या थी।

पुलिस को कैसे हुआ संदेहः दरअसल, सुब्रह्मण्यम की मौत के बाद उनके पिता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे, बहू या पोते से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। जब वह उनके घर पहुंचे तो दरवाजा बंद था और उमादेवी और उनका बेटा लोहित दोनों गायब थे। इसके बाद पुलिस ने घर और हाईव तक के रास्तों की जांच की। जांच के दौरान खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस अब इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। जांच में दोपहिया वाहन की आवाजाही और शव के परिवहन के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं।

पुलिस ने शुरू की जांच

पिलेरू डीएसपी कृष्णा मोहन ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे। युवक के पिता ने यह भी आरोप लगाया है कि उमादेवी का किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध था और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

क्या पत्नी का अवैध संबंध बना हत्या का मकसद

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या अवैध संबंध हत्या का मकसद बन सकता था और क्या किसी अन्य व्यक्ति ने शव को ले जाने और ठिकाने लगाने में सहायता की थी। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या शव को जानबूझकर हाईवे पर रखा गया था ताकि मौत को सड़क दुर्घटना जैसा दिखाया जा सके।

19 दिन जेल में बिताए, फिर चोरी कर ली पुलिस स्टेशन से कुर्सी बेंगलुरु में जापानी छात्र ने क्यों किया ऐसा काम

बेंगलुरु, एजेंसी। 2019 में अंग्रेजी सीखने और भारत घूमने बेंगलुरु आए जापानी छात्र हिरोतोशी तनाका की लाइफ एक विवाद के बाद उसकी लाइफ पूरी तरह बदल गई। यहां एक कोचिंग सेंटर प्रमुख के साथ हुए झगड़े के बाद आरटी नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर 19 दिनों तक अवैध रूप से जेल में रखा। दरअसल, जापानी छात्र तनाका बेंगलुरु पहुंचकर एक निजी अंग्रेजी अकादमी में दाखिला लिया। वह अकादमी से असंतुष्ट था क्योंकि आरोप था कि कक्षाएं बार-बार रद की जा रही थीं और अनियमित रूप से संचालित हो रही थीं। उसने कहा कि अकादमी प्रमुख से स्पष्टीकरण मांगने के बार-बार प्रयास अनुत्तरित रहे, जिससे तनाव बढ़ता गया। यह विवाद अंततः बहस में बदल गया। उसने आरोप लगाया कि उसे उकसाया गया, जिसके कारण उसे गुस्सा आ गया और उन्होंने अकादमी प्रमुख को घूंसा मार दिया। झगड़े के बाद, आरटी नगर पुलिस ने उसके खिलाफ जानबूझकर चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया। हालांकि, यह अपराध जमानती था, फिर भी तानाका को 23 नवंबर, 2019 को गिरफ्तार कर बेंगलुरु केंद्रीय जेल भेज दिया गया। उसे 11 दिसंबर को रिहा किए जाने से पहले 19 दिन जेल में बिताने पड़े।

7 साल बाद मुकदमा जितने में कामयाबः कानूनी व्यवस्था न समझ पाने, भाषा की दिक्कत और गंभीर मेडिकल स्थिति (ष्ह्राष्ठ) के बावजूद वह पुलिस के खिलाफ मुकदमा जीतने में कामयाब रहा। 7 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, कर्नाटक सरकार ने अवैध हिरासत के लिए जापानी छात्र तनाका को 75,000 रुपये का मुआवजा दिया है। क्योंकि मानवाधिकार आयोग ने माना था कि उन्हें 19 दिनों तक अनावश्यक रूप से न्यायिक हिरासत में रखा गया था।

गिरफ्तार होने के लिए चुराई एसपी ऑफिस की कुर्सीः इस लंबी कानूनी लड़ाई का सबसे अजीबोगरीब मोड़ 28 फरवरी 2021 की सुबह आया, जब आर्थिक तंगी से जूझ रहे और देश छोड़ने का आदेश झेल रहा तनाका आरटी नगर स्थित जेसी नगर एसीपी दफ्तर में घुसा और वहां से एक सफेद प्लास्टिक की कुर्सी उठाई, उसके साथ सेल्फी ली और उसे बीटीएम लेआउट स्थित अपने घर ले आए। दरअसल, हिरोतोशी तनाका का इरादा चोरी करना नहीं था, बल्कि वह चाहते था कि पुलिस उसे गिरफ्तार कर ले, ताकि इस गिरफ्तारी के बहाने वे भारत में रहकर मानवाधिकार आयोग में दर्ज अपनी शिकायत की कानूनी लड़ाई जारी रख सकें। हिरोतोशी तनाका का उद्देश्य उस 'भ्रष्ट' पुलिसकर्मी का पर्दाफास करना था, जिसने उसे फर्जी केस में फंसाया था। हालांकि, कर्नाटक हाई कोर्ट ने केस खारिज कर दिया, जिसके बाद अधिकारियों ने 28 फरवरी तक भारत छोड़ने का आदेश दिया।

जर्मनी में भारतीय छात्र गिरफ्तार, अमेरिका के एरिजोना में प्रेमिका की हत्या का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी भारतीय छात्र को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। वह जर्मनी पहुंचा, लेकिन वहां से आगे की उड़ान लेने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 20 वर्षीय वरुण बाचिगरी एरिजोना विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र था। उस पर 19 वर्षीय जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को टक्सन स्थित एक अपार्टमेंट में सालाजार की हत्या की गई थी।हत्या के बाद भारत भागने की कोशिशटक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, हत्या के बाद बाचिगरी टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। उसने जर्मनी की उड़ान पकड़ी थी और वहां से भारत जाने की योजना थी। इसी बीच जांचकर्ताओं ने उसके खिलाफ पहले दर्जे की हत्या और अपहरण के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। टक्सन पुलिस, एफबीआई के टक्सन कार्यालय और बर्लिन स्थित एफबीआई लीगल अटैचे कार्यालय के बीच समन्वय के बाद जर्मनी में उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, जर्मनी पहुंचते ही बाचिगरी को हिरासत में ले लिया गया और वह आगे भारत के लिए यात्रा नहीं कर सका।गर्लफ्रेंड बनकर मां को भेजे मैसेजजांच में पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने कथित तौर पर सालाजार का मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड अपने पास रख लिए थे। इसके बाद उसने सालाजार की मां को कई मैसेज भेजे। पुलिस का आरोप है कि उसने सालाजार बनकर ये संदेश भेजे, ताकि परिवार को लगे कि वह जीवित है और हत्या की जानकारी छिपाई जा सके। इन संदेशों से सालाजार के परिवार को संदेह हुआ। परिवार की चिंता के बाद पुलिस ने उसके अपार्टमेंट में जाकर हालचाल जानने के लिए जांच की। वहां अधिकारियों को सालाजार का शव मिला।गर्दन पर मिले गला दबाने के निशानस्थानीय मीडिया के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब चार बजे टक्सन फायर डिपार्टमेंट को अपार्टमेंट में कार्डियक अरेस्ट की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने सालाजार को फर्श पर मृत पाया। उसके शरीर पर एक कंबल गर्दन तक खींचा हुआ था। फायर विभाग के कर्मचारियों ने उसके गले पर गला दबाने के निशान और खरोंचें देखीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की हत्या के रूप में जांच शुरू की।पहले भी हिंसक व्यवहार के आरोपगिरफ्तारी वारंट में आरोपी के खिलाफ पहले के हिंसक व्यवहार से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, बाचिगरी के खिलाफ पहले यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना पुलिस विभाग ने एक मारपीट के मामले की जांच की थी।

सीरिया ने रूस के साथ सैन्य ठिकानों के भविष्य को लेकर समझौता किया

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया ने देश में मौजूद रूस के दो सैन्य ठिकानों के भविष्य को लेकर मॉस्को के साथ एक समझौता किया है। इन सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल पहले हटाए जा चुके राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार को समर्थन देने के लिए किया जाता था। अल जजीरा ने रविवार को सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से यह जानकारी दी। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने बताया कि नए समझौते के तहत हमीमिम एयरबेस और तारतूस नौसैनिक अड्डे को 'संयुक्त प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण केंद्रों' में बदला जाएगा। इस व्यवस्था का मकसद दोनों देशों के आपसी हितों को बनाए रखना है। यह समझौता 18 महीने तक चली बातचीत के बाद तैयार हुआ है। समझौते में इस बदलाव को पूरा करने के लिए अधिकतम तीन महीने की समय सीमा तय की गई है। इस बदलाव की प्रक्रिया पूरी होने तक दोनों सैन्य ठिकानों पर मौजूद नागरिक सुविधाएं दमिश्क को सौंप दी जाएंगी। अल जजीरा के मुताबिक, रूस के अधिकारियों ने अभी तक इस समझौते पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। बातचीत जारी रहने के दौरान हमीमिम और तारतूस दोनों सैन्य ठिकाने पूरी तरह से काम करते रहे थे। सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी ने रविवार को इन दोनों जगहों का दौरा किया।

केरलम के गृहमंत्री को खुली चुनौती देने वाला हिस्ट्रीशीटर अर्जुन अयांकी गिरफ्तार

कन्नूर, एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला को इंटरनेट मीडिया के जरिये खुली चुनौती देने और पुलिस अधिकारियों को धमकाने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश अर्जुन अयांकी को रविवार को कन्नूर से गिरफ्तार कर लिया गया। हिस्ट्रीशीटर वह अपराधी होता है जिसका लंबा आपराधिक रिकार्ड होता है तथा जिसका नाम पुलिस थाने के 'हिस्ट्री शीट' (अपराध इतिहास रजिस्टर) में दर्ज होता है। कन्नूर सिटी पुलिस आयुक्त बीवी. विजय भारत रेड्डी ने बताया कि अर्जुन को गिरफ्तार करने ने के लिए पुलिस ने देर रात तक अभियान चलाया। शनिवार सुबह से ही उसकी तलाश की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार अर्जुन को रात करीब 2.30 बजे एक वकील के अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। अर्जुन के खिलाफ 23 मामले दर्ज हैं। हाल ही में उस पर गृह मंत्री चेन्निथला को चुनौती देने और इंटरनेट मीडिया पर मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन को बदनाम करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था।

तेलंगाना में 54 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त, चार गिरफ्तार; नागपुर ले जाई जा रही थी खेप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के यदाद्री भुवनागिरी जिले में एक प्रतिबंधित नशीली पदार्थ मेफेड्रोन की तस्करी में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए 27 किलोग्राम अवैध पदार्थ की कीमत 54 करोड़ रुपये है। पुलिस ने बताया कि यह अवैध पदार्थ वितरण के लिए महाराष्ट्र के नागपुर ले जाया जा रहा था। बिबीनगर पुलिस थाने की एक टीम ने 8 अगस्त को कोंडामडुगु गांव के बाहरी इलाके में एक विशेष

आपरेशन चलाया और एक कार को रोका। यदाद्री भुवनागिरी के पुलिस अधीक्षक अक्षांश यादव ने कहा कि तलाशी के दौरान पुलिस ने 27 किलोग्राम मेफेड्रोन और दो प्लास्टिक के कैन में नशीले पदार्थों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला रासायनिक पदार्थ 40 किलोग्राम एसीटोन बरामद किया।

काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस क्या एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं।रूस में पटेल की मेजबानी कौन करेगापटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की संभावना पर नजर रहेगी।रूस से 'लेन-देन' की बात क्यों उठीपटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलिएव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस बदले में पूछ सकता है कि उसे क्या मिलेगा। हालांकि, यह टिप्पणी किसी आधिकारिक रूसी प्रस्ताव के तौर पर सामने नहीं आई है। यह केवल संभावित यात्रा को लेकर रूसी पक्ष से की गई अटकल और विश्लेषण है।काश पटेल का रूस से जुड़ा पुराना संदर्भ क्या हैकाश पटेल का नाम पहले भी रूस से जुड़े अमेरिकी राजनीतिक विवादों में सामने आता रहा है।ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान पटेल उन घटनाक्रमों से जुड़े रहे।इनमें 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के अभियान और रूस के कथित संबंधों की जांच पर सवाल उठाए गए थे।पटेल ने इन जांचों को लेकर ट्रंप के पक्ष में रुख अपनाया था।एफबीआई निदेशक बनने के बाद उनकी विदेश यात्राओं को भी अमेरिकी कांग्रेस में करीब से देखा गया है।रूस की प्रस्तावित यात्रा इसी वजह से और ज्यादा संवेदनशील मानी जा रही है।खास बात यह है कि अमेरिका और रूस के बीच यूक्रेन युद्ध को लेकर गंभीर मतभेद बने हुए हैं।एफबीआई प्रमुख का रूस दौरा पहले कब हुआ था और अब क्या सवाल हैंआधिकारिक तौर पर रूस जाने वाले अंतिम ज्ञात एफबीआई निदेशक रॉबर्ट म्यूलर थे, जिन्होंने 2013 में रूस की यात्रा की थी। बाद में म्यूलर को विशेष वकील नियुक्त किया गया था और उन्होंने 2016 के ट्रंप राष्ट्रपति अभियान और रूस के कथित संबंधों के साथ अमेरिकी चुनाव में रूस के हस्तक्षेप से जुड़े आरोपों की जांच की थी। अब काश पटेल की प्रस्तावित यात्रा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह यात्रा सिर्फ सुरक्षा और खुफिया संपर्क तक सीमित रहेगी या यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-रूस संबंधों पर भी बातचीत होगी। क्या पुतिन या वरिष्ठ रूसी अधिकारियों से उनकी मुलाकात होगी। और सबसे बड़ा सवाल यह है कि रूस की ओर से जिस संभावित 'लेन-देन' की बात कही गई है, क्या उसका कोई वास्तविक आधार है या यह सिर्फ राजनीतिक।

तनावमुक्त प्रबंधन पर जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित,नशामुक्ति, मोबाइल के सदुपयोग, योग और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में समय-सीमा बैठक के पूर्व तनावमुक्त प्रबंधन एवं सकारात्मक जीवनशैली विषय पर जिलास्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोगी श्रीकांत एवं डॉ. रामाजायम ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन, नशामुक्ति, सकारात्मक सोच, आत्म-अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में मार्गदर्शन दिया कार्यशाला में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में कार्य का दबाव, बदलती जीवनशैली और अनावश्यक डिजिटल गतिविधियां तनाव का कारण बन सकती हैं ऐसे में व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में सकारात्मक सोच, अनुशासन और समय प्रबंधन को शामिल करना चाहिए तनावपूर्ण परिस्थितियों में धैर्य और मानसिक संतुलन बनाए रखना कार्यक्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।

नशे से दूरी, स्वस्थ जीवन का संकल्पः कार्यशाला में नशामुक्ति के विषय पर विशेष रूप से चर्चा की गई। वक्ताओं ने तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी उन्होंने कहा कि नशे की आदत व्यक्ति के स्वास्थ्य और कार्यक्षमता को प्रभावित करने के साथ उसके पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल असर डालती है नशे से दूरी बनाकर स्वस्थ और संतुलित जीवन की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है इस दौरान 'नशामुक्त भारत से स्वस्थ भारत' का संदेश दिया गया।

मोबाइल का उपयोग जरूरत के अनुसार करने की सलाहः कार्यशाला में मोबाइल फोन और डिजिटल तकनीक के बढ़ते उपयोग पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि मोबाइल आज जीवन का आवश्यक साधन बन चुका है लेकिन इसका अनावश्यक और अत्यधिक उपयोग समय की बर्बादी के साथ एकाग्रता एवं कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है उन्होंने मोबाइल का उपयोग आवश्यकता और उद्देश्य के अनुरूप करने तथा बचाए गए समय को रचनात्मक गतिविधियों में लगाने की सलाह दी।

योग और ध्यान को दिनचर्या में शामिल करने पर जोरः कार्यशाला में योग, प्राणायाम और ध्यान को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया गया वक्ताओं ने बताया कि नियमित योग एवं ध्यान से शरीर और मन के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है इससे तनाव कम करने, एकाग्रता बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायता मिल सकती है अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रतिदिन योग, प्राणायाम और ध्यान के लिए समय निर्धारित करने का आग्रह किया गया। **स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन' का संदेशः** कार्यशाला में 'स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन' की अवधारणा पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत व्यक्ति स्वयं से करता है अपनी सोच, व्यवहार, आदतों और कार्यशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाने से उसका प्रभाव परिवार, कार्यस्थल और समाज पर भी पड़ता है ।

पंचायतों में मनमानी और भ्रष्टाचार के खिलाफ 11 अगस्त से धरना

उपसरपंच महासंघ ने खोला मोर्चा, विकास कार्यों में पारदर्शिता और शिकायतों पर कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ग्राम पंचायतों में कथित मनमानी, भ्रष्टाचार और शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने के विरोध में उपसरपंच महासंघ समिति ने आंदोलन का ऐलान किया है समिति 11 अगस्त से धरना और विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में समिति संचालक एवं उपसरपंच प्रभाकर कुमार तिवारी ने पंचायतों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए प्रशासन से पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की प्रभाकर तिवारी ने आरोप लगाया कि कई पंचायतों में विकास कार्यों से जुड़े निर्णयों में पंचों और उपसरपंचों को शामिल नहीं किया जा रहा है। उनके अनुसार, सरपंच और सचिव मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे हैं पंचायतों में 'सिंगल विंडो सिस्टम' के तहत काम होने से निर्वाचित प्रतिनिधियों को कार्यों की जानकारी समय पर नहीं मिलती। इससे पंचायत प्रतिनिधियों में असंतोष और विवाद की स्थिति बन रही है।

महासंघ ने कुछ पंचायतों में ऐसे विकास कार्यों के नाम पर राशि निकाले जाने का आरोप लगाया है जो कथित तौर पर धरातल पर पूरे नहीं हुए समिति का कहना है कि इस संबंध में जिला पंचायत और प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतें दी गईं लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई महासंघ ने पंचायतों में निर्माण एवं विकास कार्यों की जांच कराने और वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता लाने की मांग की है। प्रेसवार्ता में पंचायत प्रतिनिधियों के मानदेय का मुद्दा भी उठाया गया तिवारी ने कहा कि दूरस्थ गांवों से पंचायत मुख्यालय और जिला कार्यालय तक आने-जाने में प्रतिनिधियों को काफी खर्च करना पड़ता है ऐसे में 150 रुपए का मानदेय पर्याप्त नहीं है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को व्यापक किया जाएगा प्रेसवार्ता में उपसरपंच अब्दुल जब्बार, शिव कुमार जायसवाल, उमाशंकर सिंह सहित बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सिंगरौली SB शाखा में कार्यवाहक प्रधान आरक्षक ने की आत्महत्या, ट्रांसफर नहीं होने से था परेशान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। । बैढ़न स्थित स्पेशल ब्रांच (SB) कार्यालय में पदस्थ कार्यवाहक प्रधान आरक्षक राकेश गंगले ने रविवार रात कार्यालय के कमरे में आत्महत्या कर ली घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और तहसीलदार की मौजूदगी में शव को नीचे उतारा गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है मृतक राकेश गंगले की उम्र करीब 35 वर्ष बताई जा रही है वे मूल रूप से खरगोन जिले के रहने वाले थे और पिछले कुछ वर्षों से सिंगरौली में पदस्थ थे प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वे अपने गृह जिले खरगोन या उसके आसपास के किसी जिले में स्थानांतरण चाहते थे परिवार से दूरी को लेकर था परेशान पुलिस के अनुसार राकेश गंगले के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उन्होंने अपनी परेशानी का उल्लेख करते हुए पुलिस मुख्यालय भोपाल के अधिकारियों को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है नोट में उन्होंने लिखा कि सिंगरौली से खरगोन की दूरी करीब एक हजार किलोमीटर है लंबे समय से परिवार से दूर रहने के कारण वे गृह जिले के नजदीक स्थानांतरण चाहते थे बताया गया है कि स्थानांतरण के लिए उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई थी उन्होंने आवेदन भी दिए थे लेकिन उनके मुताबिक उनकी समस्या पर अधिकारियों ने गंभीरता से ध्यान नहीं दिया सुसाइड नोट में इसी परेशानी और मानसिक तनाव का जिक्र किया गया है। जानकारी के मुताबिक रविवार रात राकेश गंगले स्क्रशाखा के कार्यालय कक्ष में थे। इसी दौरान उन्होंने अपनी जान दे दी घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की प्रक्रिया की गई पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सुसाइड नोट को जांच में शामिल किया गया है। नोट में लगाए गए आरोपों और स्थानांतरण से संबंधित तथ्यों की भी जांच की जाएगी। पुलिस मृतक के सहकर्मियों और परिजनों से भी जानकारी जुटा सकती है। CSP ललित बैरागी ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। तहसीलदार की उपस्थिति में शव को नीचे उतारा गया मृतक के पास मिले सुसाइड नोट के आधार पर मामले की आगे जांच की जा रही है मृतक के परिजन अभी सिंगरौली नहीं पहुंचे हैं और उनके देर शाम तक पहुंचने की संभावना है पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना के पीछे किन परिस्थितियों की भूमिका रही और सुसाइड नोट में लगाए गए आरोपों के संबंध में क्या तथ्य सामने आते हैं।

आदिवासी दिवस के सवाल पर प्रभारी मंत्री की चुप्पी

सिंगरौली में हर घर तिरंगा अभियान की समीक्षा, दिनभर बैठकों में व्यस्त रहीं मंत्री संपतिया उइके

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सिंगरौली पहुंचीं जिले की प्रभारी मंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके का एक वीडियो सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है वीडियो में मंत्री से विश्व आदिवासी दिवस को लेकर सवाल पूछा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गईं इस घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाएं शुरू हो गई हैं। प्रभारी मंत्री रविवार को सिंगरौली के दौरे पर रहीं। उन्होंने दिनभर विभिन्न बैठकों में हिस्सा लेकर जिले में आगामी हर घर तिरंगा अभियान और तिरंगा यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की भाजपा कार्यालय में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित करने को लेकर चर्चा की गई शाम को एनटीपीसी के सूर्या भवन में जिले के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई इसमें मंत्री संपतिया उइके ने हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किया जाए मंत्री ने कहा कि जिले के प्रत्येक घर में तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जाए राष्ट्रगीत और देशभक्ति गीतों के सामूहिक गायन के माध्यम से जिले में राष्ट्रप्रेम का वातावरण तैयार करने पर भी उन्होंने जोर दिया उन्होंने अभियान में स्कूली विद्यार्थियों, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों और आम नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए मंत्री ने कहा कि अभियान केवल प्रशासनिक कार्यक्रम तक सीमित न रहे बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से इसे जनअभियान का स्वरूप दिया जाए बैठक में तिरंगा यात्राओं और रैलियों के दौरान यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा भीड़ प्रबंधन को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय पर जोर दिया गया। बैठक में विधायक रामनिवास शाह, राजेंद्र मेश्राम, विश्वामित्र पाठक, कुंवर सिंह टेकाम, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेय, कलेक्टर गौरव बैनल, पुलिस अधीक्षक सियाज के.एम. सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान से राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा सीधी

बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग उत्साह से ले रहे हिस्सा, गांव-गांव गूंज रहे देशभक्ति के नारे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 9 से 17 अगस्त 2026 तक आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का उत्साह चरम पर है। गांवों से लेकर शहरों तक तिरंगा रैली, प्रभात फेरी, जनजागरूकता कार्यक्रम और विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है हाथों में तिरंगा लेकर निकल रहे लोगों और देशभक्ति के नारों से जिले का वातावरण राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत दिखाई दे रहा है बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सभी उत्साहपूर्वक अभियान में सहभागिता कर रहे हैं। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिले की सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं ग्राम पंचायत स्तर पर तिरंगा रैली, प्रभात फेरी और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोग तिरंगा हाथों में लेकर रैलियों में शामिल हो रहे हैं इस दौरान देशभक्ति के नारों से गांवों का वातावरण गुंजायमान हो रहा है अभियान में सभी आयु वर्ग के लोगों की भागीदारी देखने को मिल रही है। बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर रैलियों में शामिल हो रहे हैं, वहीं युवा, महिलाएं और बुजुर्ग भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रमों का हिस्सा बन रहे हैं। गतिविधियों के माध्यम से नागरिकों को अपने घरों और सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही तिरंगे की गरिमा और सम्मान बनाए रखने के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है।

'सेल्फी विद तिरंगा' को लेकर भी उत्साहः अभियान के तहत 'सेल्फी विद तिरंगा' गतिविधि को लेकर भी जिलेवासियों में उत्साह देखा जा रहा है बड़ी संख्या में नागरिक तिरंगे के साथ अपनी तस्वीरें साझा कर अभियान में सहभागिता दर्ज करा रहे हैं प्रशासन की ओर से अधिक से अधिक लोगों से पोर्टल पर पंजीयन कर 'सेल्फी विद तिरंगा' गतिविधि में शामिल होने की अपील की जा रही है सस्रस सीईओ जिला पंचायत ने की सहभागिता की अपील जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने जिलेवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में पूरे उत्साह और गर्व के साथ शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश के गौरव, एकता और स्वाभिमान का प्रतीक है प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से अभियान को जन-जन का अभियान बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों और सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील करते हुए कहा कि तिरंगे की गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाए अभियान के माध्यम से नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

शहडोल स्टेशन पर बनेगा 30 मीटर लंबा FOB, प्लेटफॉर्म-1 से 3 तक मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 30 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (FOB) बनाया जा रहा है यह फुट ओवर ब्रिज प्लेटफॉर्म नंबर-1 से शुरू होकर प्लेटफॉर्म-2 होते हुए प्लेटफॉर्म नंबर-3 तक पहुंचेगा इसके निर्माण से यात्रियों को प्लेटफॉर्म बदलने के लिए रेलवे ट्रैक पार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी शहडोल की असिस्टेंट रेल मैनेजर (ARM) सोनालिका रुचंदानी के अनुसार, नए FOB के साथ दो आधुनिक लिफ्ट और रैंप का भी निर्माण किया जा रहा है। इससे बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार यात्रियों, गर्भवती महिलाओं और भारी सामान लेकर यात्रा करने वाले लोगों को विशेष सुविधा मिलेगी। वर्तमान में स्टेशन के प्लेटफॉर्मों के बीच आवाजाही के लिए छोटे फुट ओवर ब्रिज उपलब्ध हैं कई बार ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी में यात्री रेलवे ट्रैक पार करके दूसरे प्लेटफॉर्म पर पहुंचने का प्रयास करते हैं। इससे हादसे की आशंका बनी रहती है नया FOB बनने के बाद प्लेटफॉर्म-1, 2 और 3 के बीच सुरक्षित और सीधी कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। शहडोल स्टेशन को केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना में शामिल किया गया है योजना के तहत स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। सोनालिका रुचंदानी ने बताया कि बारिश के कारण निर्माण कार्य की गति प्रभावित हुई है मानसून समाप्त होने के बाद काम में तेजी लाने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास और हर घर तिरंगा अभियान पर विशेष फोकस

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर विकास मिश्रा ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और व्यापक जनभागीदारी के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभागार में समय-सीमा बैठक आयोजित की गई बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, हर घर तिरंगा अभियान, स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों सहित शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण तथा आमजन को निर्धारित सेवाओं की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। कलेक्टर ने कहा कि विकासखंड सीधी में इस सप्ताह मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई से संबंधित लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा उन्होंने अधिकारियों को एल-1 स्तर पर ही शिकायतों का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए अनावश्यक रूप से शिकायतों को अगले स्तर पर भेजने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने को कहा गया कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शिकायत का निराकरण केवल पोर्टल पर जवाब दर्ज करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि आवेदक की समस्या का वास्तविक और संतुष्टिपूर्ण समाधान होना चाहिए लोक सेवा गारंटी अधिनियम के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत कर नागरिकों को निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

हर घर तिरंगा में जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देशः बैठक में हर घर तिरंगा अभियान की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि 9 से 17 अगस्त तक चलने वाले अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाए उन्होंने एसडीएम, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगरीय निकायों के सीएमओ को अभियान का प्रभावी नेतृत्व करने के निर्देश दिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 11 अगस्त को रामपुर नैकिन, 12 अगस्त को सिहावल, 13 अगस्त को मझौली एवं सेमरिया तथा 14 अगस्त को जिला मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित होंगे। 16 अगस्त को सांस्कृतिक गतिविधियां और 17 अगस्त को रंगोली प्रतियोगिता होगी। कलेक्टर ने कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं, गणमान्य नागरिकों सहित समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

सिहावल में 11 अगस्त को होगी उपखंड स्तरीय जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और प्रशासन को आमजन के करीब लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई की व्यवस्था को प्रभावी बनाया जा रहा है। इसी क्रम में 11 अगस्त को सिहावल में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी इसमें कलेक्टर विकास मिश्रा स्वयं नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे जनपद पंचायत सभागार, सिहावल में आयोजित जनसुनवाई में क्षेत्र के नागरिक अपनी शिकायतें, समस्याएं और आवेदन सीधे कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही परीक्षण कर यथासंभव तत्काल निराकरण किया जाए। जिन प्रकरणों में विस्तृत जांच या कार्रवाई आवश्यक होगी, उनमें संबंधित विभाग के अधिकारियों को समय-सीमा निर्धारित कर निराकरण के निर्देश दिए जाएंगे जनसुनवाई को प्रभावी बनाने के लिए सिहावल क्षेत्र के सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं राजस्व निरीक्षक, पटवारी और ग्राम पंचायत सचिव भी जनसुनवाई में मौजूद रहेंगे इससे नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही स्थान पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा प्रशासन ने अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जेन जी के आंदोलन का हासिल क्या रहा

संपादकीय

'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' के उद्घोष का उदाहरण जंतर मंतर और वर्तमान में झारखंड में दिखाई दे रहा है। जंतर मंतर पर हुआ जेन जी के नाम रहा यह पहला आंदोलन अपने पीछे कई सवाल छोड़ गया है। पहला सवाल तो यह कि यह पेपर लीक माफिया देश में विगत कितने वर्षों से सक्रिय रहा होगा। न जाने कितने पेपर लीक के मामले देश में होते रहे होंगे। अब तो देश के आम नागरिक को यह शक होने लगा है कि न जाने कितने लोग इसी बैसाखी का सहारा लेकर ऊपर की सीढ़ियां चढ़े होंगे। यह एक अनुत्तरित प्रश्न आज हर एक नागरिक के जहन में उभर रहा है। इस चाक चौबंद व्यवस्था के भीतर यह माफिया कैसे उभरा, इनको किसका संरक्षण मिलता रहा है, यह प्रश्न भी विचारणीय है। क्या सत्ता पर बैठे लोग इतने नकारा हैं कि देश की व्यवस्था के भीतर घात लगाए बैठे इन लोगों को पकड़ने में समर्थ नहीं हैं? छात्रों के भीतर का आक्रोश क्या सत्ता को समय रहते समझ नहीं आया? या सत्ता युवाओं के आक्रोश को ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं समझती थी? दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुआ यह छात्र आंदोलन मुख्य रूप से परीक्षाओं में गड़बड़ी और नीट पेपर लीक के विरोध में आयोजित किया गया। इस आंदोलन की प्रमुख घटना यह थी कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने इस दौरान कई दिनों तक आमरण अनशन किया। इस आंदोलन के दौरान सत्ता को यह तो समझ आ गया है कि आज का युवा अपना हक लेने के लिए कितना जागरूक है। अब उसे प्रलोभनों-आश्वासनों से बहलाने का समय नहीं रहा। युवा का अपने हक के लिए खड़े होना हमें आश्वस्त करता है कि आज के युवा किसी झुनझुने से बहलने वाले नहीं। अब सरकारों की प्राथमिकता में युवा और उसके सपने होने चाहिएं। अब सरकारों को परीक्षा तंत्र व रोजगार तंत्र को सुदृढ़ करना पड़ेगा वरना युवा वोट सरकारों के हाथों से खिसकता चला जाएगा। इस आंदोलन को देखते हुए देश के प्रधानमंत्री को जेन जी से संवाद करना आवश्यक लगा और उन्होंने छात्रों के साथ एक भावनात्मक संवाद भी किया। छात्रों की कई मांगों को मान भी लिया गया है। सरकार ने जब मांगें मानने पर सहमति जताई, तो आंदोलन खत्म हुआ।

इस आंदोलन ने देश में शिक्षा प्रणाली, रोजगार, पेपर लीक और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाया और सत्ता में लोकतांत्रिक जवाबदेही पर भी बहस तेज की। संभवतः इस आंदोलन का यह हासिल रहा। दूसरी ओर गाली-गलौज और अभद्र भाषा के इस्तेमाल ने इस बहस को भी तेज किया। आंदोलन के दौरान देश के प्रधानमंत्री तक के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग सुनकर कोई भी सभ्य और जिम्मेदार नागरिक इस तरह की भाषा एवं व्यवहार का समर्थन नहीं कर सकता। यह भी एक विचारणीय प्रश्न है, क्यों युवाओं के द्वारा इस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया? इसका उत्तर ही नहीं, हल ढूंढना भी परिवार, समाज एवं सत्ता का दायित्व है। झारखंड में आंदोलन अभी भी जारी है। बहरहाल, युवाओं की समस्याओं का समाधान करना सरकारों को प्राथमिकता में रखना होगा।

क्यों उबल रही जेन जी?

विक्की चौहान

आजकल चारों तरफ जेन-जी की ऐसी धूम मची है मानो यही एकमात्र राष्ट्रीय मुद्दा और मसला हो! टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे 'गोलमेज सम्मेलन' की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें 'आरंभ, प्रचंड' वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में 'मूक-बधिर' छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या 37-40 करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब 27 करोड़, 25 फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या 2029 के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। 2027 में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब 22 फीसदी जेन जी हैं। यदि 5 फीसदी वोट ही इधर-उधर हो गए, तो सत्ता के तमाम समीकरण असंतुलित हो जाएंगे। जेन जी के इन तमाम विरोध-प्रदर्शनों में 'कॉकरोच' अनुपस्थित रहे हैं, लेकिन सी-वोटर के एक सर्वेक्षण में 'प्रमुख कॉकरोच' अभिजीत दिपके को 'नेता' के तौर पर 12 फीसदी से अधिक लोगों ने पसंद किया। बेशक सर्वे का सैंपल साइज सीमित हो, लेकिन यह जनमत भी महत्वपूर्ण है, जबकि दिपके का जेन जी में योगदान 'राजनीतिक-सा' रहा है। अभी उन्हें खुद को जेन जी का प्रतिनिधि चेहरा साबित करना है। सर्वे की इस पसंद की थाह और वजह हम नहीं जानते। बहरहाल जेन जी की प्रासंगिकता के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 3036 'नव स्नातकों' को संबोधित किया, उन्हें 'गुरु मंत्र' की तरह उपदेश दिया और जेन जी को ताकत मानते हुए उनमें 'भरोसा' जताया। जेन जी देश की ताकत और भविष्य हैं। वे सवाल भी करें, लेकिन समाधान भी खोजें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में अपना 'छात्रों की गूंज' अभियान जारी रखा, लेकिन समझ नहीं आया कि वोट चोरी, नोटबंदी, जीएसटी, अदाणी आदि जेन जी के मसले हैं अथवा शिक्षा-सुधार, व्यवस्था-परिवर्तन, पेपरलीक, भर्तियों की खरीद-फरोख्त जेन जी के बुनियादी सरोकार और उनकी चिंताएं हैं? बहरहाल जेन जी उबल रही है। उसमें आक्रोश, नाराजगी, गुस्सा, उपेक्षा और वंचित होने के भाव हैं, तो उनके भी भयावह और बुनियादी कारण हैं। मसलन-बीते एक दशक के दौरान करीब 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। करीब 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है, जो छात्रों को सभी विषय पढ़ाता है। दुनिया का एक और आश्चर्य...! सरकारी स्कूलों में औसतन 5.1 शिक्षक हैं, जबकि निजी स्कूलों में यह औसत 11.1 है। सरकारी स्कूलों में इतने पद खाली हैं, यदि उन्हें भर लिया जाए, तो बेरोजगारी एकदम नीचे आ जाएगी। करीब 33 लाख छात्र इन एक-अध्यापकीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। ऐसे पंजीकरण को ही साक्षरता दर माना जाता रहा है, लिहाजा राष्ट्रीय दर शानदार लगती है। यथार्थ तो बेहद काला और कुरूप है। इन स्कूलों में छात्र पढ़ने जाते हैं अथवा नहीं, इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन एक भयावह तथ्य जरूर है कि देश में करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। देश में 69,673 सरकारी स्कूलों में लड़कों के लिए शौचालय नहीं हैं और 46,345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधाएं नहीं हैं। लाइब्रेरी से वंचित 55083 स्कूल हैं, जबकि 4.08 लाख सरकारी स्कूलों में कम्प्यूटर की पूरी सुविधाएं नहीं हैं। विडंबना है कि करीब 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाई कर पाते हैं, क्योंकि उनके परिवार गरीब, निम्न दर्जे के हैं, निजी स्कूल के खर्चे वहन करने में असमर्थ हैं। ये जेन जी बनेंगे, तो उन्हें पर्याप्त रोजगार कैसे मिलेगा अथवा वे प्रतियोगी परीक्षाएं कैसे पास करेंगे? ऐसे असंख्य आंकड़े और डाटा हैं। हम ऐसे नकारात्मक पक्ष को पेश करने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन यही यथार्थ है, जो जेन जी को पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी कई बार गिनवाते रहे हैं कि सरकार ने कितने स्कूल, कॉलेज खोले, लेकिन हम विश्व के शीर्ष 100 संस्थानों में भी शामिल नहीं हैं। यही हमारी शिक्षा-नीति है। कहने का तात्पर्य यह भी है कि हमारी शिक्षा गुणवत्ता की दृष्टि से ऊंचाई को नहीं छू पाई है।

महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौतियां

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में 5 अगस्त को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और कमजोर मानसून की चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। जहां खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में कुछ वृद्धि के संकेत हैं, वहीं अन्य क्षेत्रों में महंगाई बढ़ने के संकेत नहीं हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। इससे होम, ऑटो और अन्य फ्लोटिंग रेट वाले लोन की ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निःसंदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमरीकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य अर्थव्यवस्था रिपोर्ट के अनुसार, यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोखिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे उर्वरक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपए पर दबाव बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि इस समय अमरीका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमरीकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमरीका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमरीका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंताजनक है कि अमरीकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमरीका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 100000 डॉलर (लगभग 85.95 लाख रुपए) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि अमरीका द्वारा 24 जुलाई से भारत समेत 17 देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। अमरीका ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत यह सख्त कदम उठाया है। इस कार्रवाई का मुख्य कारण उन देशों को बताया गया है, जिनके उत्पादों के निर्माण में जबरन मजदूरी के इस्तेमाल की शिकायतें मिली थीं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी इन विभिन्न कारणों से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 7.7 प्रतिशत की शानदार दर से वृद्धि दर्ज की थी, जो कि 2024-25 की 7.1 प्रतिशत की दर से काफी बेहतर थी। निःसंदेह इस समय वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घरेलू आर्थिक मुश्किलों के बीच बीच अर्थव्यवस्था को गतिशील रखना और विकास दर बढ़ाना चुनौती है। इस चक्रव्यूह से निकलने के लिए सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा। वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं- जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है।

डमी एडमिशन पर रोक लगाना जरूरी

सत्यपाल वशिष्ठ

केन्द्र सरकार ने हाल ही में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन बिल 2026 को संसद से पास करवा दिया, परंतु पेपर्स लीक के अलावा शिक्षा से जुड़े कुछ और अहम मुद्दे हैं जिनमें कोचिंग संस्थान, डमी स्कूल तथा डमी एडमिशन ने हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया है। वर्तमान स्कूल व्यवस्था को सुधारा जाना इस समय अति आवश्यक है। रैगुलर प्लस वन/प्लस टू की पढ़ाई के साथ ऑनलाइन कोचिंग लेना तो सही है, परंतु डमी एडमिशन लेकर कोचिंग करना स्कूली शिक्षा के उद्देश्य के विपरीत है।

कोचिंग संस्थानों ने बच्चों को सिर्फ नीट, जेईई की मानकीकृत परीक्षा पास करने तक ही सीमित कर दिया है। जेईई और नीट के टैस्ट को पास करने के लिए बच्चों को भारी मानसिक दबाव से गुजरना पड़ता है, माता-पिता को कोचिंग के लिए कर्ज उठाना पड़ता है तथा पेपर लीक की घटनाएं भी इसी का हिस्सा हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना रह गया है जबकि विद्यालय के मूल उद्देश्य ज्ञान, संस्कार, व्यक्तित्व और सामाजिक विकास आदि हैं। हर चीज लाभ के लिए ही नहीं होती है, क्योंकि आज लोकतंत्र को मानवता की भी आवश्यकता है।

हमारे समाज को अच्छे इंजीनियर और डाक्टर के अलावा देश को दिशा देने वाले भी चाहिएं। यही कारण है कि वर्तमान स्कूली व्यवस्था पर गंभीर नीति निर्धारण की आवश्यकता है। दसवीं के बाद कौनसे विषय/संकाय चुनें, यह बहुत ही कठिन निर्णय होता है क्योंकि यही कैरियर की राह की पहली सीढ़ी होती है। विषय चुनने के लिए बच्चों से लेकर माता-पिता पसोपेश में रहते हैं। अंततः बच्चे माता-पिता के सुझाए अनुसार या अपने शिक्षकों की सलाह पर या फिर दोस्तों की देखादेखी में विषय चुन लेते हैं। बच्चों के माता-पिता और बच्चे खुद विज्ञान संकाय को चुनना पसंद करते हैं। अगर वो विज्ञान संकाय को न चुनें तो ऐसा समझते हैं जैसे वो जीवन में असफल हो गए हैं। इंजीनियरिंग तथा डॉक्टरी पेशे के अलावा और भी कई क्षेत्र हैं, जिनमें जाने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बच्चों तथा खुद उन पर जेईई और नीट की परीक्षा पास करने का मानसिक दबाव न रहे। कोचिंग संस्थानों को भी चाहिए कि कोचिंग में प्रवेश से पहले एक परीक्षा का आयोजन कर उन्हीं बच्चों को प्रवेश दें जो जेईई/नीट की परीक्षा पास करने की सामर्थ्य रखते हों। इससे उनका कोचिंग पर किया जाने वाला भारी भरकम खर्चा बच जाएगा, बच्चों पर मानसिक दबाव भी कम होगा और आत्महत्या करने जैसी वारदातें भी कम होंगी। परिस्थितियों का लाभ उठाकर कोचिंग सेंटर्स ही उन बच्चों को डमी एडमिशन दिला देते हैं। कोचिंग में पढ़ने वाले 50 प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में डमी एडमिशन होता है। यह बच्चे पूरा साल स्कूल नहीं जाते। डमी स्कूलों में से कुछ ही फिजिकली अस्तित्व में होते हैं, बाकी ऑन पेपर ही होते हैं। यह आज की बड़ी विडंबना है। इसलिए डमी एडमिशन व डमी संस्थान बंद होने चाहिएं।

गजब है Russia से India तक Train चलाने का प्रस्ताव

पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और समुद्री व्यापार मार्गों पर बढ़ते जोखिम के बीच रूस ने भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक नई दिशा देने वाला बड़ा प्रस्ताव सामने रखा है। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने मॉस्को से हिंद महासागर तक सीधे रेल संपर्क की संभावनाएं तलाशने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिमों को देखते हुए रूस और भारत के बीच वैकल्पिक जमीनी संपर्क विकसित करना जरूरी हो गया है। रूसी समाचार एजेंसी ञ्ज़ास्स के हवाले से खुसनुलिन ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक पहुंचने वाले विकल्पों पर विचार किया जा सकता है और भारत तक पहुंच उपलब्ध कराने वाला कोई भी विकल्प स्वीकार्य होगा।

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस-भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है। खास तौर पर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया के संघर्ष ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि किसी एक समुद्री चोकपॉइंट पर अत्यधिक निर्भरता वैश्विक व्यापार के लिए कितनी बड़ी कमजोरी बन सकती है। रूस के इस प्रस्ताव को समझने के लिए मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखना जरूरी है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव तेजी से बढ़ा। ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन कार्रवाइयों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात पर गंभीर असर पड़ा। रिपोर्टों के मुताबिक होर्मुज से होकर गुजरने वाला वैश्विक तेल व्यापार का करीब पांचवां हिस्सा प्रभावित हुआ। हम आपको बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इसी तरह तुर्किये के नियंत्रण वाला बोस्फोरस जलडमरूमध्य काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ता है। ऐसे समुद्री 'चोकपॉइंट' किसी भी संकट की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए

गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। यही वजह है कि मॉस्को अब समुद्री मार्गों के साथ-साथ वैकल्पिक स्थलीय व्यापार नेटवर्क विकसित करने पर जोर दे रहा है।

भारत इस योजना के केंद्र में क्यों?

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने संभावित रेल मार्ग के अंतिम गंतव्य के रूप में भारत को विशेष महत्व दिया है। यह संयोग नहीं है। भारत और रूस पहले से ही International North-South Transport Corridor (INSTC) के प्रमुख साझेदार हैं। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह बहु-माध्यमीय कॉरिडोर रूस को ईरान और भारत से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें रेल, सड़क और समुद्री परिवहन का संयोजन शामिल है। मौजूदा व्यवस्था में रूस से आने वाला माल कजाखस्तान और तुर्कमेनिस्तान होते हुए ईरान पहुंच सकता है। वहां से रेल नेटवर्क के जरिए बंदर अब्बास जैसे बंदरगाहों तक और फिर समुद्री रास्ते से भारत भेजा जा सकता है। पूर्वी शाखा में कजाखस्तान-तुर्कमेनिस्तान-ईरान मार्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। इस लिहाज से रूसी उप प्रधानमंत्री खुसनुलिन का प्रस्ताव बिल्कुल शून्य से शुरू होने वाली परियोजना नहीं, बल्कि मौजूदा कनेक्टिविटी ढांचे को और आगे बढ़ाने की सोच है। लक्ष्य यह हो सकता है कि आने वाले समय में रूस और भारत के बीच माल ढुलाई को ज्यादा तेज, भरोसेमंद और बहुविकल्पीय बनाया जाए।

अभी 'मॉस्को से भारत' सीधी ट्रेन नहीं

हालांकि इस खबर ने यात्रियों और रेलवे प्रेमियों की कल्पना को जरूर हवा दी है, लेकिन फिलहाल इसे मॉस्को से दिल्ली या मुंबई तक चलने वाली सीधी यात्री ट्रेन समझना जल्दबाजी होगी। अभी तक रूस या भारत की ओर से इस तरह की यात्री सेवा या पर्यटन केंद्रित ट्रेन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रूसी उप प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का मूल उद्देश्य फ्रेट, लॉजिस्टिक्स और रणनीतिक कनेक्टिविटी है। भौगोलिकसंदर्भ वैसे भी यात्री सेवा शुरू करने में कई व्यावहारिक अड़चनें होंगी जैसे कई देशों के वीजा, अलग-अलग रेल गेज, सीमा और सुरक्षा जांच, विभिन्न देशों के रेलवे के बीच समय-सारिणी का तालमेल तथा यात्री सुविधाओं का अभाव। लेकिन भविष्य की संभावना को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। यदि कॉरिडोर स्थिर, सुरक्षित और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनता है तो बाद में यात्री रेल सेवा की संभावना तलाशना संभव होगा। ऐसी ट्रेन यूरेशिया के विशाल भूभाग, मध्य एशिया और ऐतिहासिक सिल्क रूट के शहरों को जोड़ने वाली असाधारण यात्रा बन सकती है।

भारत के लिए बड़ा रणनीतिक लाभ

वैसे रूस के इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा फायदा भारत को कनेक्टिविटी की रणनीतिक विविधता के रूप में मिल सकता है। भारत की विदेश और आर्थिक नीति लंबे समय से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उसकी व्यापारिक आपूर्ति किसी एक मार्ग या एक देश पर निर्भर न रहे। इसलिए रूस से भारत तक मजबूत स्थलीय नेटवर्क बनने पर भारतीय कारोबारियों को रूसी बाजार तक पहुंच का एक वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इससे मशीनरी, ऊर्जा संसाधन, उर्वरक, धातु, कृषि उत्पाद और अन्य वस्तुओं की आवाजाही अधिक लचीली हो सकती है। दूसरा बड़ा लाभ समय और लागत का हो सकता है। ढ्ढहृस्ञ्ञष्ट का मूल उद्देश्य भी पारंपरिक समुद्री मार्गों की तुलना में माल परिवहन को तेज और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। पूर्ण रूप से विकसित नेटवर्क भारत-रूस व्यापार को नई गति दे सकता है। एक और सबसे महत्वपूर्ण लाभ ऊर्जा सुरक्षा है। होर्मुज जैसी किसी एक संवेदनशील समुद्री पट्टी पर निर्भरता कम होने से भारत वैश्विक संकटों के दौरान अपनी आपूर्ति श्रृंखला को ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकता है। पाकिस्तान वाला रास्ता सबसे कठिन कड़ी हालांकि प्रस्तावित मार्ग में पाकिस्तान का नाम आना इसे रणनीतिक रूप से बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण बनाता है। रूस ने संभावित विकल्पों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान का उल्लेख किया है। लेकिन भारत-पाकिस्तान संबंधों की मौजूदा जटिलताओं को देखते हुए इस रास्ते को तत्काल व्यवहार्य मानना कठिन होगा।

नशा मुक्ति अभियान में पत्रकारिता की भूमिका निर्णायक, कुरीतियों को उजागर कर युवाओं को दें सकारात्मक दिशा : मधुकर द्विवेदी

मनेंद्रगढ़ में पीआईबी रायपुर द्वारा आयोजित 'वार्तालाप' कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता का मूल दायित्व केवल घटनाओं की जानकारी देना नहीं बल्कि समाज के सामने सही तथ्य रखना जनहित के मुद्दों को आवाज देना और व्यवस्था को उसके दायित्वों के प्रति जवाबदेह बनाना है उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति जैसे गंभीर सामाजिक विषय पर पत्रकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है मीडिया को नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं के सामने सकारात्मक विकल्प, प्रेरणादायक उदाहरण और सही दिशा भी प्रस्तुत करनी चाहिए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर द्वारा रविवार को मनेंद्रगढ़ में पत्रकारों के लिए आयोजित एक दिवसीय क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला-सह-संवाद कार्यक्रम वार्तालाप में द्विवेदी ने पत्रकारिता की सामाजिक जिम्मेदारी और नशा मुक्ति अभियान में मीडिया की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए कार्यशाला का मुख्य विषय नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत-संकल्प अभियान था द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारिता की वास्तविक शक्ति उसके शब्दों तथ्यों और जनविश्वास में निहित है एक पत्रकार की कलम केवल समाचार नहीं लिखती बल्कि जनमत का निर्माण करती है समाज में चेतना पैदा करती है और आवश्यकता पड़ने पर सत्ता एवं व्यवस्था से सवाल भी करती है। उन्होंने कहा कि जब समाज की विभिन्न संस्थाएं अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित रूप से नहीं कर पा रही हों, तब पत्रकारिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। पत्रकार के पास समाज के सामने सच रखने और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाने की विशेष शक्ति है पत्रकारिता की प्रभावशीलता को रेखांकित करते हुए द्विवेदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी और 'वॉशिंगटन पोस्ट' से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण बताता है कि निर्भीक, तथ्यपरक और प्रभावशाली पत्रकारिता सत्ता के सर्वोच्च स्तर तक को प्रभावित कर सकती है यदि पत्रकारिता किसी जनहित के मुद्दे को पूरी प्रतिबद्धता और दृढ़ता के साथ उठाती हैझ तो उसकी आवाज दुनिया के सबसे शक्तिशाली पद पर बैठे व्यक्ति तक भी पहुंच सकती है और उसे जवाबदेह बनाने की क्षमता रखती है उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को केवल समाचार को प्रमुखता दिलाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए समाज के उन मुद्दों को सामने लाना भी पत्रकारिता का दायित्व है जिन पर व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता है नशे की समस्या को इसी दृष्टि से देखने की आवश्यकता है यह केवल किसी एक व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए और इसके संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक है द्विवेदी ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम या समाचार की विषय-वस्तु मानने के बजाय इसे व्यापक सामाजिक आंदोलन के रूप में देखने की आवश्यकता है मीडिया इस आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है पत्रकार नशे से जुड़ी कुरीतियों और गलत गतिविधियों को उजागर करने के साथ-साथ युवाओं को खेल, शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वयंसेवा और राष्ट्र निर्माण जैसे सकारात्मक विकल्पों से जोड़ने वाली खबरों और कहानियों को भी प्रमुखता दें उन्होंने कहा कि नशे के दुष्प्रभावों को लेकर समाज में निरंतर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। इसके लिए तथ्यपरक और संवेदनशील पत्रकारिता जरूरी है नशा मुक्ति से जुड़ी सरकारी योजनाओं सहायता एवं पुनर्वास सुविधाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना भी मीडिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है उन्होंने कहा कि अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं के दौर में पत्रकारों को तथ्यों की पुष्टि कर ही समाचार प्रकाशित करना चाहिए क्योंकि गलत सूचना नशा मुक्ति जैसे संवेदनशील अभियान के उद्देश्यों को प्रभावित कर सकती है वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि एक पत्रकार की कलम समाज की दिशा प्रभावित करने की क्षमता रखती है इसलिए पत्रकारिता का उद्देश्य केवल खबर को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना नहीं बल्कि ऐसी खबरों को सामने लाना भी होना चाहिए जो समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा मौका, 13-14 अगस्त को प्लेसमेंट कैंप

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का अच्छा अवसर सामने आया है जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 अगस्त को शासकीय आईटीआई खड़गवां और 14 अगस्त को शासकीय आईटीआई जनकपुर में प्लेसमेंट कैंप आयोजित किया जाएगा। दोनों स्थानों पर कैंप का समय सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक निर्धारित किया गया है जिला रोजगार कार्यालय के अनुसार प्लेसमेंट कैंप में निजी कंपनी SHRAMIN TELENT PVT. LTD. द्वारा Meter Installation पद के लिए भर्ती की जाएगी कंपनी में कुल 100 पद उपलब्ध हैं इन पदों के लिए आईटीआई 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण पुरुष अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं चयनित उम्मीदवारों को 15 हजार से 18 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा चयनित अभ्यर्थियों का कार्यक्षेत्र एमसीबी जिला रहेगा रोजगार कार्यालय ने बताया कि प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए erojgar.cg.gov.in अथवा Google Play Store पर उपलब्ध CG Rojgar Panjiyan App के माध्यम से पंजीयन कराना अनिवार्य है अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता के प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र आधार कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो लाना होगा जिला रोजगार अधिकारी ने जिले के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्लेसमेंट कैंप में पहुंचकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है साथ ही सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से अपने विद्यार्थियों को कैंप की जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया है बिना किसी शुल्क के निजी कंपनी में रोजगार पाने का यह अवसर युवाओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ट्रेन से कटने वाले युवक की 2 दिन बाद पहचान दफनाया शव निकाला जाएगा, इंटरसिटी के सामने पटरी पर लेटकर दी थी जान

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रेलवे स्टेशन के पास 5 अगस्त को इंटरसिटी ट्रेन की चपेट में आने से जान गंवाने वाले युवक की पहचान हो गई है मृतक अशोकनगर जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के छपरा गांव निवासी 25 वर्षीय भुजवल जाटव पुत्र चंदन जाटव था। पहचान के बाद पुलिस अब दफनाए गए शव को बाहर निकालकर परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू करेगी।

ट्रेन की चपेट में आने से हुई थी मौत: 5 अगस्त की रात गाड़ी संख्या 12197 इंटरसिटी के चालक ने शिवपुरी रेलवे स्टेशन प्रबंधन को सूचना दी थी चालक के अनुसार, SVPI-PARM के बीच किलोमीटर नंबर 1196/13-15 पर एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर लेटा था। चालक ने आपातकालीन ब्रेक लगाकर उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन युवक ट्रेन की चपेट में आ गया उसकी मौके पर ही मौत हो गई घटना के समय युवक की पहचान नहीं हो सकी थी। इसके चलते कोतवाली पुलिस ने करीब दो दिन पहले शव का पोस्टमार्टम कराया और उसे दफना दिया था।

परिजन ने पहुंचकर की शव की पहचान: सोमवार को सूचना मिलने पर भुजवल के परिजन कोतवाली पहुंचे। यहां उन्होंने शव की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्र से बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

एक साल पहले मजदूरी के लिए ग्वालियर गया था

भुजवल की मां देवकी जाटव ने बताया कि करीब एक साल पहले एक ठेकेदार उनके बेटे को मजदूरी दिलाने के बहाने ग्वालियर ले गया था। वहां भुजवल एक होटल में काम करने लगा। करीब तीन महीने पहले वह घर आया था और इसके बाद फिर ग्वालियर चला गया पिछले कुछ दिनों से भुजवल से फोन पर संपर्क नहीं हो पा रहा था। परिवार ने लगातार उससे बात करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद उन्हें उसकी मौत की सूचना मिली।

ग्वालियर से शिवपुरी कैसे पहुंचा अभी नहीं हुआ स्पष्ट: भुजवल ग्वालियर से शिवपुरी कैसे पहुंचा या वह इंटरसिटी ट्रेन में सवार होकर आया था, यह अभी स्पष्ट नहीं है चालक के बयान के अनुसार, रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर युवक ट्रेन को देखकर पटरी पर लेट गया था चालक ने ब्रेक लगाने की कोशिश की लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका भुजवल ने आत्महत्या क्यों की इसका कारण भी अभी स्पष्ट नहीं है उसकी मां ने होटल संचालक या ठेकेदार द्वारा बेटे को परेशान किए जाने की आशंका जताई है पहचान होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार डंपर ने गायों के झुंड को कुचला : ग्रामीणों ने सड़क पर लगाया जाम एक गंभीर घायल 5 गायों की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। अमोला थाना क्षेत्र में रामपुर गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे बैठे गायों के झुंड को कुचल दिया। हादसे में मौके पर ही पांच गायों की मौत हो गई। एक गाय गंभीर रूप से घायल हुई है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने अमोला क्रेशर-नरवर सड़क पर जाम लगा दिया ग्रामीणों के अनुसार, डंपर चालक तेज गति से वाहन चला रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे बैठे गायों के झुंड को डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद डंपर की नंबर प्लेट भी मौके पर गिर गई।

पुलिस के आश्वासन के बाद हटाया जाम: घटना की सूचना मिलते ही अमोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया इसके बाद ग्रामीणों ने सड़क से जाम हटा दिया पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है पुलिस डंपर चालक की पहचान करने के साथ हादसे की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगा रही है बारिश में सड़क किनारे बैठता है गोवंश ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के मौसम में बड़ी संख्या में गोवंश सड़कों और उनके किनारे बैठ जाता है। ऐसे में तेज रफ्तार वाहनों से हादसे का खतरा बना रहता है।

180 मजदूरों को डेढ़ महीने से नहीं मिली मजदूरी, 92 लाख का भुगतान अटका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में मेडिकल कॉलेज के पीछे बन रही शहरी आवास योजना में काम कर रहे करीब 180 मजदूरों को डेढ़ महीने से मजदूरी नहीं मिली है भुगतान की मांग को लेकर सोमवार शाम मजदूर एक्सिस बैंक पहुंचे और प्रदर्शन किया मजदूरों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा लगातार बैंक से भुगतान नहीं आने की बात कहकर उन्हें टाला जा रहा है दमोह निवासी मजदूर लाल राठौर ने बताया कि वे ठेकेदार गुलशन जैन के माध्यम से निर्माणाधीन कॉलोनी में काम कर रहे हैं लंबे समय से मजदूरी नहीं मिलने के कारण मजदूर आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं प्रोजेक्ट डायरेक्टर रूपेश ठाकुर के अनुसार मजदूरों के भुगतान के लिए करीब 92 लाख रुपए की NEFT 20 जुलाई को बैंक में जमा की गई थी लेकिन अब तक राशि मजदूरों के खातों में नहीं पहुंची बैंक ने भुगतान में देरी की वजह सीएमओ के हस्ताक्षर से जुड़ी समस्या बताई थी सीएमओ यशवंत राठौर ने बताया कि बैंक की जानकारी के बाद उन्होंने करीब 10 दिन पहले अपने हस्ताक्षर अपडेट करा दिए हैं।

कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे ध्वजारोहण, परेड को देंगे सलामी

आमा खेरवा ग्राउंड में होगा जिला स्तरीय मुख्य समारोह मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के संदेश का होगा वाचन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी 15 अगस्त 2026 को देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में राष्ट्रभक्ति, गौरव और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ स्थित आमाखेरवा ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस का जिला स्तरीय मुख्य समारोह भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित किया जाएगा राज्य शासन द्वारा जारी आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री एवं मनेन्द्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। वे राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा ध्वजारोहण किया जाना जिलेवासियों के लिए गौरव का अवसर होगा अपने गृह विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जिला स्तरीय मुख्य समारोह में वे राष्ट्रध्वज फहराकर देश की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे मंत्री जायसवाल छत्तीसगढ़ शासन में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास तथा 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विभागों का दायित्व संभाल रहे हैं मुख्यमंत्री के संदेश का होगा वाचन मुख्य समारोह में ध्वजारोहण के पश्चात मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा परेड का निरीक्षण किया जाएगा तथा परेड की सलामी ली जाएगी। इसके बाद वे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम जारी संदेश का वाचन करेंगे समारोह के दौरान राष्ट्रगान सहित देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी देशभक्ति से जुड़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रप्रेम की भावना को अभिव्यक्त करेंगे विकास की झांकियों में दिखेगी जिले की उपलब्धियां स्वतंत्रता दिवस समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा जिले में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं विकास कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन झांकियों के माध्यम से शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जिले में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएगी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का जिला स्तरीय शुभारंभ कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने बच्चों को खिलाई कृमिनाशक दवा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का जिला स्तरीय शुभारंभ स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में कलेक्टर संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाकर की गई। इस दौरान अधिकारियों ने बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाव, स्वच्छता के महत्व तथा कृमि मुक्ति से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक विकास के लाभों की जानकारी दी। साथ ही जिले के सभी लक्षित बच्चों तक दवा पहुंचाकर उन्हें कृमि संक्रमण से सुरक्षित रखने का संकल्प दोहराया गया इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी रविकांत यादव, नोडल अधिकारी डॉ. सुधांशु पटेल, डॉ. नम्रता चक्रवर्ती, डॉ. वासिक असदक डीपीएम शिशिर जायसवाल बीईओ विपिन सिंह, आरबीएसके नोडल डॉ. अतीक, बीपीएम सुलेमान, प्रभारी प्राचार्य इरफान, बीईई प्रमेंद्र सिंह, डीपीएचएनओ लक्ष्मी रजक, बीडीएम जगदीश सिंह सहित स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को कृमि नाशक दवा का सेवन अवश्य कराएं, ताकि वे स्वस्थ रहकर बेहतर शारीरिक एवं मानसिक विकास कर सकें।

आधी रात रेत से भरा डंपर पकड़ा, वैध दस्तावेज नहीं मिले

राजस्व, खनिज और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई चालक पर मामला दर्ज, खदानों पर पहुंची टीम तो मशीनें और ट्रैक्टर गायब मिले

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। तवा और नर्मदा नदी से रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की शिकायतों के बीच राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने रविवार आधी रात कार्रवाई की टीम ने जिंदबाबा मंदिर के पास रेत से भरा डंपर क्रमांक MP 49 H 1166 पकड़ा रात करीब 1.45 बजे डंपर रोककर चालक से रेत से संबंधित दस्तावेज और रॉयल्टी मांगी गई। जांच में सामने आया कि डंपर में ग्राम मनवाड़ा, तहसील माखननगर से रेत भरकर लाई जा रही थी जांच के दौरान रेत के वैध दस्तावेज और रॉयल्टी प्रस्तुत नहीं की जा सकी डंपर पकड़े जाने की सूचना पर उसका मालिक नमन परिहार भी मौके पर पहुंचा अधिकारियों को उसने बताया कि वह डिवाइन सिटी में रहता है और खुद को लक्ष्मण सिंह बेस का भतीजा बताया नमन ने दावा किया कि उसके स्टॉक से रेत उठाकर दूसरे स्थान पर ले जाई जा रही थी। हालांकि वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह ने डंपर को देहात थाने भेजने और रेत चोरी का प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए डंपर पकड़े जाने के करीब 18 घंटे बाद रात 8.20 बजे पुलिस ने चालक हरिओम गोस्वामी निवासी ग्राम गुजरबाड़ा बाबई के खिलाफ मामला दर्ज किया पुलिस मामले की जांच कर रही है संयुक्त टीम डोंगरवाड़ा जासलपुर और निमसाड़िया क्षेत्र की रेत खदानों पर भी पहुंची लेकिन टीम के पहुंचने से पहले ही मजदूर जेसीबी लोडर और ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मौके से गायब हो चुकी थीं खदानें सुनसान मिलीं अधिकारियों को आशंका है कि कार्रवाई की भनक पहले ही रेत माफिया तक पहुंच गई थी सुसस बुधनी की ओर भेजी जा रही रेत स्थानीय स्तर पर आरोप है कि नर्मदा नदी से रात के समय रेत निकालकर नर्मदा पुल पार बुधनी क्षेत्र की ओर ले जाई जाती है पुल के पास ढाबों के आसपास रेत खाली किए जाने की भी शिकायतें सामने आई हैं प्रशासन ने अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

महतारी वंदन से मिली आर्थिक मजबूती गायत्री ने खरीदी सिलाई-पिको मशीन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का माध्यम बन रही है मनेन्द्रगढ़ विकासखंड निवासी गायत्री श्रीवास्तव ने योजना के तहत मिलने वाली प्रतिमाह ?1,000 की राशि को खर्च करने के बजाय नियमित रूप से बचाया और इसी बचत से सेकेंड हैंड सिलाई-पिको मशीन खरीदकर अपने टेलरिंग व्यवसाय का विस्तार किया गायत्री पहले से सिलाई का काम कर परिवार की आय में सहयोग करती थीं मशीन खरीदने के बाद अब वे सिलाई के साथ पिको की सुविधा भी अपने स्तर पर उपलब्ध करा रही हैं इससे काम में तेजी आई है और ग्राहकों को एक ही स्थान पर बेहतर एवं समय पर सेवा मिल रही है गायत्री बताती हैं कि पहले पिको का काम कराने के लिए उन्हें दूसरी जगह जाना पड़ता था, जिससे अतिरिक्त समय और खर्च लगता था अब अपनी मशीन होने से यह परेशानी दूर हो गई है पिको की सुविधा शुरू होने से उनके व्यवसाय का दायरा बढ़ा है और आमदनी में भी वृद्धि हुई है गायत्री को योजना के तहत अब तक 30,000 की राशि प्राप्त हुई है उन्होंने आर्थिक सहायता का उपयोग बचत और रोजगार को मजबूत करने में किया उनका कहना है कि छोटी-छोटी बचत भविष्य में बड़े काम की नींव बन सकती है उन्होंने योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बेटियों ने दिखाया खेल का हुनर, खेल एवं युवा दिवस पर शा. उ. माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा में गूंजा उत्साह का माहौल

कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी, 100 मीटर और लंगड़ी दौड़ में बालिकाओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा, विजेताओं को मिला पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलबहरा में आज खेल एवं युवा दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता, खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा उन्हें शिक्षा के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा आयोजन में विद्यालय की बालिकाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर सुश्री संतान देवी जांगड़े के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया कार्यक्रम का संचालन महिला सशक्तिकरण केंद्र हब की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा द्वारा किया गया आयोजन के दौरान बालिकाओं के लिए कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी 100 मीटर दौड़, लंगड़ी दौड़ सहित विभिन्न मनोरंजक एवं प्रतिस्पर्धात्मक खेलों का आयोजन किया गया खेल प्रतियोगिताओं में बालिकाओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया मैदान में बालिकाओं की उमंग, उत्साह और प्रतिस्पर्धा ने पूरे वातावरण को जीवंत बना दिया। खेलों के माध्यम से बालिकाओं ने न केवल अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया बल्कि टीम भावना अनुशासन आत्मविश्वास और एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाने की भावना का भी परिचय दिया कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाली बालिकाओं के चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया आयोजकों ने अन्य छात्राओं को भी खेल गतिविधियों में निरंतर भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण से अंजनी यादव सखी वन स्टॉप सेंटर से प्रियंका राजवाड़े तथा महिला सशक्तिकरण केंद्र से अनीता कुमारी शाह ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन शिक्षा विभाग तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा भी आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को यह संदेश दिया गया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल भी उनके सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है खेल बालिकाओं में आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता, अनुशासन और नेतृत्व कौशल विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

उफान पर घोड़ा पछाड़ नदी, एक-दर्जन गांवों का संपर्क टूटा

● अंबाड़ी-डोला घाट मार्ग की 24 लाख की पुलिया क्षतिग्रस्त

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। दीवानगंज क्षेत्र में रातभर हुई तेज बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। मुस्काबाद और ग्राम सत्ती के बीच स्थित घोड़ा पछाड़ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। नदी का पानी पुल से करीब 8 फीट ऊपर बहने लगा, जिसके चलते पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। तेज बहाव के कारण आसपास के करीब एक दर्जन गांवों का हाईवे से संपर्क टूट गया है। करीब 20 दिनों के अंतराल के बाद हुई इस तेज बारिश से किसानों को राहत मिली है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में रास्ते बंद होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। प्रशासन ने लोगों से उफनती नदियों और नालों को पार नहीं करने और जलभराव वाले इलाकों से दूर रहने की अपील की है।

घोड़ा पछाड़ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा: रातभर हुई तेज बारिश का असर क्षेत्र की और नालों पर दिखाई दिया। मुस्काबाद और ग्राम सत्ती के बीच बहने वाली घोड़ा पछाड़ नदी में अचानक पानी बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने के बाद नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगा। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुल से करीब 8 फीट ऊपर तक पानी का

तेज बहाव देखने को मिला। पानी की रफ्तार को देखते हुए पुल से वाहनों और लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है।

करीब एक दर्जन गांवों का हाईवे से संपर्क टूटा: घोड़ा पछाड़ नदी के पुल पर पानी आने के कारण आसपास के करीब एक दर्जन गांवों का हाईवे से संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों के लिए इस मार्ग से आवागमन करना फिलहाल संभव नहीं है। तेज बहाव के कारण पुल से होकर निकलना जोखिम भरा हो गया है। ऐसे में लोगों को रास्ता खुलने तक इंतजार करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से भी ग्रामीणों को उफनते पानी के बीच पुल पार नहीं करने की सलाह दी गई है।

20 दिन बाद हुई तेज बारिश से किसानों को राहत: क्षेत्र में करीब 20 दिनों के अंतराल के बाद तेज बारिश हुई है। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है। खेतों में फसलों को पानी मिलने से किसानों की चिंता कुछ कम हुई है। हालांकि, इस बार मानसून के दौरान यह पहली बार है जब क्षेत्र की नदियां और नाले इस तरह उफान पर पहुंचे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जहां किसानों को राहत मिली, वहीं आवागमन की समस्या भी खड़ी हो गई है।

● **पहली बार इस मानसून में नदियां-नाले उफने...** स्थानीय स्तर पर इस मानसून में पहली बार क्षेत्र की नदियों और नालों में इतना पानी आया है कि उनका बहाव तेज हो गया और रास्तों पर असर पड़ा। घोड़ा पछाड़ नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने के कारण रास्ता बंद करना पड़ा। ग्रामीण इलाकों में नदी-नालों के आसपास रहने वाले लोगों को भी सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रख रहा है।

● **अंबाड़ी के डोला घाट की पुलिया भी क्षतिग्रस्त...** इसी बीच अंबाड़ी के डोला घाट मार्ग पर बनी पुलिया भी तेज बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है। करीब 24 लाख रुपये की लागत से इस पुलिया का निर्माण लगभग दो साल पहले किया गया था। तेज बारिश के कारण पुलिया के आसपास की मिट्टी बह गई। इससे पुलिया की स्थिति प्रभावित हुई है और इस मार्ग पर भी आवागमन बाधित होने की आशंका बनी हुई है।

● **दो साल में ही पुलिया के आसपास की मिट्टी बही...** अंबाड़ी के डोला घाट मार्ग की पुलिया को बने अभी करीब दो साल ही हुए हैं। तेज बारिश के बाद इसके आसपास की मिट्टी बह जाने से पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई। इससे स्थानीय लोगों में चिंता है कि अगर बारिश का दौर जारी रहा तो पुलिया को और नुकसान हो सकता है और मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बंद करना पड़ सकता है।

● **2006 में भी बारिश में बह गई थी पुलिया...** स्थानीय निवासियों के अनुसार, वर्ष 2006 में भी इसी मार्ग पर बनी एक पुलिया बारिश के दौरान बह गई थी। इसके बाद ग्रामीणों को लंबे समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। करीब 20 साल के इंतजार के बाद इस मार्ग पर नई पुलिया का निर्माण किया गया था। लोगों को उम्मीद थी कि नई पुलिया बनने से बारिश के दिनों में रास्ते की समस्या दूर हो जाएगी।

● **20 साल बाद बनी पुलिया फिर परेशानी में...**नई पुलिया बनने के करीब दो साल बाद ही तेज बारिश में इसके आसपास की मिट्टी बह गई और पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई। इससे एक बार फिर रास्ता बंद होने की स्थिति बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिया को लेकर लंबे समय तक इंतजार करने के बाद निर्माण हुआ था, लेकिन अब दो साल में ही इसके आसपास की मिट्टी बहने से इसकी मजबूती और निर्माण की स्थिति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

● **प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने कहा...** नदी और पुलिया दोनों जगह की स्थिति को देखते हुए प्रशासन लगातार नजर रख रहा है। लोगों से उफनती नदियों और नालों को पार नहीं करने की अपील की गई है।

सागर में मिलावट के शक में 58.5 लीटर घी जब्त, दो दुकानों से सैंपल लिए, खाद्य विभाग ने 261 जार कब्जे में लिए

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में आगामी त्योहारों को देखते हुए खाद्य विभाग ने मिलावट के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इसी के चलते खाद्य विभाग की टीम ने रविवार को तुलसीनगर वार्ड स्थित कृष्णा इंटरप्राइजेस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फर्म से गोवर्धन प्योर काऊ घी के खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत सैंपल लिए गए। संदेह के आधार पर 500 एमएल के 36 जार (कुल 18 लीटर) घी जब्त किया गया है। जब्त घी के नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। इससे पहले विभाग ने पूजा सेल्स पर जांच की। जांच के दौरान मौके पर धौलपुर फ्रेश घी मिला, संदेह के आधार पर घी के सैंपल लिए गए। साथ ही मौके से 225 जार कुल साढ़े 40 लीटर घी जब्त किया गया।

सैंपल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी: खाद्य सुरक्षा अधिकारी शीतल सिंह ने बताया कि जिले में शुद्ध खाद्य पदार्थों की उपलब्धता करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल लगातार प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर कार्रवाई कर रहे हैं। कार्रवाई में लिए गए सैंपल जांच के लिए लैब भेजे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद मामलों में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीना में पौने 4 इंच, राहतगढ़ में 3 इंच बारिश, सागर में अब तक 17.9 इंच औसत बारिश, सामान्य से 63 प्रतिशत कम पानी गिरा

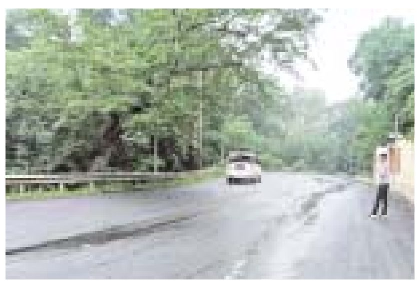

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर जिले में पिछले दो दिनों से रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। रविवार को दिन भर चली बारिश के बाद रात में पानी रुका। सोमवार सुबह से आसमान में बादल छाए हैं। लगातार हुई बारिश से दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। इस समय सागर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम पारा 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में जिले के बीना में पौने 4 इंच पानी गिरा। राहतगढ़ में 3 इंच, जैसीनगर, देवरी में 2 इंच, सागर, खुरई में 1 इंच से अधिक बारिश हुई। इसके साथ ही बंडा, शाहगढ़, रहली, केसली, गढ़ाकोटा में भी पानी गिरा है। इस दौरान कुल 39.4 मिमी यानी 1.5 इंच औसत बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश के ऊपर से ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से लो प्रेशर एरिया बन गया है जो आने वाले दिनों में और मजबूत होगा। इसके प्रभाव से मध्यप्रदेश के कई जिलों में आगामी दिनों में तेज बारिश होने की संभावना बनी हुई है। जिले में आगामी 24 घंटे बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है।

छतरपुर में ई-रिक्शा पलटा, दुकानदार की मौत, सामान लेने आ रहे 45 वर्षीय बलराम नामदेव के सिर में गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुरः बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम गंज निवासी 45 वर्षीय दुकानदार बलराम नामदेव की रविवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। यह घटना छतरपुर-महोबा रोड

पर फोरलेन पुल के पास हुई, जब एक तेज रफ्तार ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में बलराम नामदेव के सिर में गंभीर चोटें आई, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, बलराम नामदेव ग्राम गंज में रहते थे और एक धार्मिक स्थल पर दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। रविवार सुबह लगभग 9 बजे, वे अपनी दुकान का सामान खरीदने के लिए छतरपुर आ रहे थे। उन्होंने गांव के ही भवानीदीन पाल का ई-रिक्शा किराए पर लिया था। ई-रिक्शा जैसे ही छतरपुर से महोबा रोड स्थित फोरलेन पुल के पास पहुंचा, चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया। तेज रफ्तार के कारण ई-रिक्शा सड़क पर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में बलराम नामदेव का सिर सड़क से टकरा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। एम्बुलेंस की सहायता से बलराम नामदेव को गंभीर हालत में छतरपुर जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड ले जाया गया।

छतरपुर में रेलवे पुल के पास मिला इंजीनियर का शव, बेंगलुरु में नौकरी करते थे,ट्रेन की चपेट में आने की आशंका

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर में अग्रवाल साइकिल स्टोर के संचालक राजेश अग्रवाल के 28 वर्षीय पुत्र इंजीनियर ईशान अग्रवाल का रविवार रात निधन हो गया। उनका शव सटई रोड स्थित रेलवे पुल के पास मिला। ईशान बेंगलुरु में नौकरी करते थे और पिछले दो-तीन महीने से छतरपुर में रहकर वर्क फ्रॉम होम कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ईशान का शव रविवार रात रेलवे पुल के पास मिला। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई है।

रायसेन में रातभर तेज बारिश, नदी-नाले उफान पर

निचले इलाकों में भरा पानी, धान फसल को राहत, बारिश अब भी सामान्य से कम

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में शुक्रवार से रुक-रुककर हो रही बारिश ने रविवार रात से सोमवार सुबह तक जोर पकड़ लिया। रातभर हुई तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए और शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया। सड़कों पर जलभराव के कारण सुबह लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। हालांकि, लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है।

शहर के हाउसिंग बोर्ड, दशहरा मैदान, सब्जी मंडी, खेल मैदान, रामलीला मैदान, शीतल सिटी और वार्ड नंबर 15 समेत कई इलाकों में पानी भर गया। सुबह बारिश के बीच स्कूली बच्चे छाता और रेनकोट के सहारे स्कूल पहुंचे।

मडिया बांध का पानी खेतों तक पहुंचा: बेगमगंज क्षेत्र में स्थित मडिया

बांध में लगातार बारिश के बाद जलस्तर बढ़ गया। बांध का पानी आसपास के खेतों तक पहुंच गया। वहीं, जिले के कई अन्य नदी-नाले भी उफान पर हैं। इससे कुछ क्षेत्रों में सड़क संपर्क प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। लंबे समय से तेज बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को बारिश से राहत मिली है। बारिश की कमी के कारण सूखने की कगार पर पहुंच रही धान की फसल को पर्याप्त पानी मिलने से किसानों ने राहत की सांस ली। खेतों में पानी पहुंचने के बाद किसानों के चेहरे पर खुशी नजर आई।

सामान्य से 26.71 इंच कम बारिश: जिले में 1 जून से 9 अगस्त तक औसतन 20.42 इंच बारिश दर्ज की गई है। इस अवधि में सामान्य औसत 47.13 इंच बारिश होना चाहिए। यानी जिले में अब तक सामान्य से 26.71 इंच कम बारिश हुई है। सामान्य बारिश की तुलना में अब तक सिर्फ 43.3% बारिश दर्ज हुई है। पिछले साल इसी अवधि तक जिले में 41.56 इंच बारिश हो चुकी थी। इस लिहाज से इस साल अब तक पिछले साल की तुलना में 21.13 इंच कम बारिश हुई है। हालांकि, रविवार रात से सोमवार सुबह तक हुई तेज बारिश ने किसानों और आम लोगों को कुछ राहत जरूर दी है।

नेपानगर में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, बीमारी से थी परेशान, घर के पिछले कमरे में फंदे पर मिली

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के नेपानगर में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह बीमारी के चलते अपने भाई के साथ किराए के मकान में रह रही थी। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान कौशल बाई के रूप में हुई है, जिसका विवाह दो साल पहले पाचौरी निवासी शांतिलाल से हुआ था। नेपानगर थाना प्रभारी शहाबुद्दीन कुरैशी के अनुसार, मिसकैरेज के कारण महिला की तबीयत खराब रहती थी। करीब दो माह पहले कौशल बाई का भाई मुकेश विश्राम सोलंकी उसे इलाज के लिए नेपानगर ले आया था। वे वार्ड नंबर 16 में किराए के मकान में अपने दो भतीजों के साथ रह रहे थे। शनिवार सुबह 7:30 बजे मुकेश काम पर चला गया। दोपहर में जब मुकेश खाना खाने घर लौटा, तो बहन नहीं मिली। तलाश करने पर वह घर के पिछले कमरे में टीन की छत पर लगे लोहे के एंगल से फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तहसीलदार द्वारा पंचनामा बनवाया गया। रविवार को पुलिस ने इस मामले में आगे की कार्रवाई पूरी की।

खरगोन में एक सप्ताह बाद लौटी बारिश

अब तक 18.4 इंच पानी बरसा, देजला-देवाड़ा बांध ओवरफ्लो, निचले इलाकों में अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में एक सप्ताह के अंतराल के बाद सोमवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हुई। इस दौरान बच्चे छाता लेकर स्कूल जाते दिखे। कुकडोल में खराब रास्ते से जूझते भीगते पहुंचे। मानसून सीजन में अब तक कुल 18.4 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो जिले की वार्षिक औसत 32.6 इंच बारिश का 55.4 प्रतिशत है।

पिछले साल इसी अवधि तक 12.2 इंच बारिश हुई थी। इस प्रकार, इस वर्ष अब तक पिछले साल की तुलना में लगभग डेढ़ गुना अधिक बारिश दर्ज की गई है। इस बारिश से खरीफ फसलों को लाभ मिला है। खेतों में कपास, मक्का और मिर्च की फसलें बेहतर स्थिति में हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आगामी दिनों में बारिश जारी रहती है, तो फसलों की बढ़वार और उत्पादन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

देजला-देवाड़ा बांध ओवरफ्लो हो रहा: सतपुड़ा के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण नदियों और जलाशयों में पानी की आवक बढ़ गई है। कुंदा नदी में तेज बहाव के चलते देजला-देवाड़ा बांध ओवरफ्लो हो रहा है। अपरवेदा जलाशय का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है। जलस्तर को नियंत्रित रखने के लिए नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (NVDA) पिछले पांच दिनों से रात में एक गेट 20 से 75 सेंटीमीटर तक खोल रहा है, जिससे लगभग 1.1 मीटर क्षमता खाली रखी जा सके। सोमवार सुबह 10 बजे जलाशय का जलस्तर 315.800 मीटर दर्ज किया गया। एहतियात के तौर पर, निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने जलाशय और नदी किनारे के क्षेत्रों में निवासियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

नर्मदापुरम जिले में सावन की झड़ी 24 घंटे में 3.85 इंच बारिश

तवा डैम का जलस्तर 5.4 फीट बढ़ा, ऑरेंज अलर्ट जारी

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले मानसून सक्रिय हो गया है। 24 घंटे से सावन की झड़ी लगी है। झमाझम बारिश से जिला तरबतर हो गया है। जिले में सबसे ज्यादा सोहागपुर में 5 इंच, इटारसी में 4.88 इंच, नर्मदापुरम में 4.85 इंच बारिश दर्ज की गई। हिल स्टेशन पचमढ़ी में 3.42 इंच पानी गिरा है। जिलेभर में औसतन 3.85 इंच बारिश दर्ज हुई है। लगातार हो रही बारिश से तवा डैम में एक दिन में 5.4 फीट और नर्मदा नदी में 2.2 फीट पानी बढ़ा है। सोमवार को भी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। रविवार सुबह से बारिश का दौर शुरू हुआ, जो सोमवार को भी जारी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार कल (मंगलवार) से अति-भारी बारिश के दौर में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन 13 अगस्त तक जिले में गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश का दौर

लगातार बना रहेगा।

बारिश होने से क्षेत्र में धान और सोयाबीन सहित अन्य फसलों को लाभ हुआ है। किसान खुश हैं। पिछले साल के मुकाबले इस साल मानसून सीजन में आधी बारिश दर्ज हुई है।

मानसून ट्रफ लाइन, महाराष्ट्र में बने चक्रवात का असर: मौसम वैज्ञानिक पीके रैकवार के अनुसार चक्रवाती परिसंचरण और कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय होने के कारण जिले में अगले कुछ दिनों तक बारिश और झंझावात की संभावना जिले में बनी हुई है। प्रदेश के उत्तर-पूर्वी हिस्से से होकर एक मानसून ट्रफ लाइन गुजर रही है। साथ ही महाराष्ट्र के दक्षिणी। क्षणी हिस्से में एक ऊपरी हवाओं का चक्रवात बना हुआ है। जिसके प्रभाव के कारण प्रदेश के अन्य हिस्सों सहित नर्मदापुरम में बारिश की स्थितियां अनुकूल बनी हैं।

रूठा मानसून सावन सोमवार के दिन बरसा

खंडवा में रिमझिम बारिश, बादल छाए, तेज बारिश के बाद लंबा ब्रेक, तालाब सूखे पड़े

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। सावन में बारिश का इंतजार कर रहे खंडवा जिले में सोमवार सुबह मौसम ने करवट ली। सावन सोमवार के दिन रूठे मानसून ने जिले के कुछ हिस्सों में राहत की फुहार दी। पिछले 24 घंटे में खंडवा तहसील में 7 मिमी और नया हरसूद में 2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

हालांकि पंधाना, पुनासा और खालवा में बारिश नहीं हुई। पूरे जिले में औसत 1.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

पिछले कुछ दिनों से जिले में आसमान पर बादल छाए थे, लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। सावन की शुरुआत में दो दिन अच्छी बारिश के बाद मानसून कमजोर पड़ गया था। पिछले 10 दिनों में सिर्फ 37.8 मिमी बारिश हुई थी। ऐसे में सोमवार सुबह हुई हल्की बारिश ने लोगों को थोड़ी राहत दी।

मानसून ने वापसी नहीं की, बारिश का दौर कमजोर: मौसम की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह कहना जल्दबाजी होगी कि मानसून की वापसी हो गई है। फिलहाल मानसून सक्रिय जरूर है, लेकिन जिले में बारिश का दौर कमजोर है।

सोमवार सुबह जिले के कुछ हिस्सों में

बारिश हुई। अब आगे अच्छी बारिश के लिए नए सिस्टम का इंतजार रहेगा। बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी रह सकती है।

कुल बारिश में स्थिति अच्छी, लेकिन सप्लाई असमान: इस साल जिले में अब तक 454.6 मिमी औसत बारिश हो चुकी है। पिछले साल 10 अगस्त तक 329.6 मिमी औसत बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक 125 मिमी अधिक बारिश दर्ज की गई है।

हालांकि कुल आंकड़ा बेहतर होने के बावजूद बारिश का वितरण समान नहीं रहा है। मानसून की शुरुआत में हुई तेज बारिश के बाद लंबा ब्रेक आया है। यही वजह है कि सावन के दौरान लगातार बारिश की उम्मीद कर रहे किसानों और आम लोगों को अब भी अच्छी बारिश का इंतजार है।

● सोमवार की बारिश में भी सभी तहसीलें नहीं भीगीं

पिछले 24 घंटे के आंकड़ों के मुताबिक खंडवा में 7 मिमी और हरसूद में 2 मिमी बारिश हुई। वहीं पंधाना, पुनासा और खालवा तहसील में बारिश दर्ज नहीं हुई। जिले की औसत बारिश 1.8 मिमी रही। यानी सावन सोमवार को बारिश ने दस्तक तो दी, लेकिन पूरे जिले में एक साथ अच्छी बारिश नहीं हुई।

● जलस्त्रोतों की स्थिति फिलहाल बेहतर

शुरुआती अच्छी बारिश का असर जिले के जलस्त्रोतों पर दिखाई दे रहा है। सुक्ता बांध का जलस्तर 409.09 मीटर पहुंच गया। बांध की क्षमता 410.57 मीटर है। अगस्त में इसमें 409.95 मीटर तक पानी रखने का प्रावधान है। जिले के छोटे तालाबों में भी बारिश से पानी की आवक हुई है। 47 छोटे तालाबों में से कई पूरी क्षमता तक पहुंच चुके हैं। इससे फिलहाल सिंचाई और पेयजल के लिहाज से स्थिति राहत वाली बनी हुई है।

● किसानों की नजर अब अगली बारिश पर

सावन में बारिश का लंबा अंतराल किसानों के लिए चिंता का कारण बन सकता है। खरीफ फसलों को इस समय नियमित बारिश की जरूरत है। शुरुआती बारिश से खेतों में नमी बनी थी, लेकिन लगातार बारिश नहीं होने से अब किसानों की नजर आसमान पर है।

अशिमता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स जीता

:बैडमिंटन फाइनल में चीन की खिलाड़ी को हराया; एक हफ्ते में भारत का दूसरा BWF खिताब

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 महिला सिंगल्स का खिताब जीता। 26 साल की अशिमता ने 53 मिनट चले फाइनल में चीन की चौथी सीड हान कियान शी को हराया। उन्होंने 14-21, 21-14, 21-14 से जीत दर्ज कर अपना पहला BWF वर्ल्ड टूर खिताब जीता। भारत ने लगातार दूसरा BWF वर्ल्ड टूर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले तन्वी शर्मा ने 2 अगस्त को ताइपे ओपन जीता था।

पहले गेम में हान ने बनाई बढ़त- अशिमता ने मैच की शुरुआत में 3-0 की बढ़त बनाई। वे शुरुआती दौर में 9-5 से आगे थीं। इसके बाद हान ने वापसी की और दोनों खिलाड़ी 11-11 की बराबरी पर पहुंच गई। चीनी खिलाड़ी ने लगातार अंक जुटाकर खेल पर कंट्रोल बनाया। हान ने पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल की।

दूसरे गेम में अशिमता की वापसी- अशिमता ने दूसरे गेम में आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने स्मैश से हान पर दबाव बनाया और तेज डिफेंसिव रिटर्न से 6-6 के बाद बढ़त बना ली। ब्रेक के समय अशिमता

11-8 से आगे थीं। इसके बाद भी उन्होंने रैलियों पर नियंत्रण बनाए रखा। हान अंतर कम नहीं कर सकीं और अशिमता 17-10 से आगे हो गई। भारतीय खिलाड़ी ने एक और तेज अटैकिंग शॉट के साथ गेम 21-14 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

तीसरे गेम में पिछड़ने के बाद अशिमता की वापसी- अंतिम गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा। अशिमता ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन मिड-गेम ब्रेक तक हान 11-9 से आगे निकल गई।

अशिमता ने वापसी करते हुए लाइन के किनारे शॉट लगाकर 12-11 की बढ़त बनाई। इसके बाद अशिमता गेम में लगातार आगे रहीं। उन्होंने हान के कोर्ट में खाली जगहों का फायदा उठाया और स्कोर 19-14 कर दिया। हान का रिटर्न बाहर जाने पर अशिमता को आखिरी पॉइंट मिला। इसके साथ ही उन्होंने चैंपियनशिप अपने नाम की।

2024 में अशिमता के घुटने की सर्जरी हुई थी- अशिमता को 2024 में कोरिया ओपन के दौरान दाएं घुटने में मेडियल मेनिस्कस में चोट लगी थी। इसके बाद उनकी सर्जरी हुई और लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन किया। वह अगले साल फरवरी में वापस लौटीं और 14 टूर्नामेंट में खेलीं। उन्होंने BWF टूर पर चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में लगातार क्वार्टरफाइनल खेले। इसके बाद मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचीं। वर्ल्ड नंबर-50 अशिमता गुवाहाटी स्थित नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पार्क ताए-सांग से ट्रेनिंग लेती हैं।

खिलाड़ी मशीन नहीं, फिट होने में समय लगता है- लक्ष्मण:कहा-

इंजरी प्लेयर्स के करियर का हिस्सा, किसी को दोषी नहीं ठहरा सकते

नई दिल्ली एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण ने खिलाड़ियों के धीरे फिट होने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) को दोषी मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि क्रिकेटर मशीन नहीं है। ऐसा नहीं है कि हर बार वे जल्दी चोट से उबर जाएंगे। लक्ष्मण BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख हैं। उन्होंने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि ष्टशश्व और पुरुष-महिला दोनों टीमों के मैनेजमेंट के बीच शानदार तालमेल है। लक्ष्मण का बयान ऐसे टाइम पर आया है, जब देशभर में खिलाड़ियों के चोटिल होने पर सवाल उठ रहे हैं।

लक्ष्मण ने कहा- CoE सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं- लक्ष्मण ने कहा- ÒCoE सिर्फ रिहैब सेंटर नहीं है। क्रिकेटर्स को बेहतर बनाने में इसकी बड़ी भूमिका है। इसलिए चोट के लिए दोष शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहते, क्योंकि इससे किसी को बलि का बकरा बनाया जाता है।'

लक्ष्मण ने कहा कि फिटनेस के नियम कड़े हैं। साथ ही सभी खिलाड़ियों के शरीर का नेचर भी अलग है। इस वजह से कोई खिलाड़ी तय समयसीमा में पूरी तरह फिट नहीं हो पाता।

उन्होंने बताया कि चोट का पता होने से लेकर खिलाड़ी के फिट होकर जाने तक उसकी मॉनिटरिंग होती है। इसी के आधार पर उसका वर्कलोड बढ़ाया जाता है।

लक्ष्मण ने खिलाड़ी के इंजरी से फिट होने तक का प्रोसेस समझाया- लक्ष्मण ने अपनी बात समझाने के लिए जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि सिलेक्टर्स CoE से खिलाड़ी की फिटनेस की रिपोर्ट मांगता है। CoE यह रिपोर्ट सिलेक्शन कमिटी के प्रेसिडेंट को भेजता है। इसकी कॉपी दोनों टीमों के हेड कोच और BCCI को भी दी जाती है।

लक्ष्मण ने कहा- 'बुमराह और सुदर्शन के नाम के आगे हमेशा एक स्टार चिन्ह लगा होता है। इसका मतलब है- फिट रहने पर खेलेंगे। अगर खिलाड़ी की प्रोग्रेस धीमी होती है, तो सिलेक्शन कमिटी प्रेसिडेंट और हेड कोच को इन्फोर्मेशन दी जाती है।

लक्ष्मण बोले- चोट चिंता की वजह नहीं है- लक्ष्मण ने बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने पर कहा- 'मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का कारण है। जब कोई खिलाड़ी हाई लेवल पर खेलता है, तो उससे 100% से ज्यादा देने की उम्मीद होती है।' उन्होंने कहा- खिलाड़ियों की चोट को देखने का बाहरी दुनिया का नजरिया बदलना चाहिए। CoE के फिटनेस स्टाफ एड्रियन, निक और कमलेश काम कर रहे हैं।

सीरीज से 3-4 हफ्ते पहले सिलेक्शन मीटिंग होती है- BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने सीरीज से पहले टीम का सिलेक्शन प्रोसेस समझाया। उन्होंने कहा कि टीम के रवाना होने से कम से कम 3 से 4 हफ्ते पहले मीटिंग होती है। इसलिए उस समय खिलाड़ी की सही स्थिति पता नहीं होती। इसी वजह से उसके नाम के आगे स्टार लगाया जाता है और स्क्वाड में रखा जाता है।

सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल:चोटिल साई सुदर्शन की जगह मौका मिला

गॉल टेस्ट से पहले टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौर पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। क्चष्टष्ठ ने रविवार शाम को इसकी जानकारी दी। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया

क्चष्टष्ठ ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित क्चष्टष्ठ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ष्ठह्रश्व) में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है। साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।

प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया

श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप (पीठ की चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं। नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

WWE इतिहास में ब्रॉक लैसनर की सबसे खतरनाक फाइट्स

बिग शो के साथ तो टूट गया था पूरा रिंग

नई दिल्ली एजेंसी। WWE के महान रेसलर ब्रॉक लैसनर ने पिछले हफ्ते समरस्लैम 2026 के बाद कंपनी को अलविदा कह दिया। मंडे नाइट रॉ के पिछले एपिसोड में ब्रॉक को ट्रिब्यूट दिया गया और उनका नाम एल्यूमिनी लिस्ट में भी डाला गया। उनके करियर का अंत जरूर हार

के साथ हुआ लेकिन पिछले 26 साल के करियर में लैसनर ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं। उनके करियर में कई ऐसे यादगार मैच भी रहे जब रिंग या तो खून से लाल रंग में तब्दील हो गया। या एक बार पूरा रिंग ही टूट गया। ब्रॉक लैसनर के करियर की ऐसी ही पांच खतरनाक फाइट्स के बारे में बात करेंगे। इसमें उनकी द अंडरटेकर, जॉन सीना, रोमन रेंस, बिग शो और कोडी रोड्स जैसे बेहतरीन रेसलर्स से हुए मुकाबलों का विवरण है। इसमें से एक मैच उनका और बिग शो का बहुत मशहूर हुआ था जब रिंग ही चारों तरफ से टूट गया था।

सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

वॉर्मअप में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया; चोट से रिकवर हुए गिल के 44 रन

नई दिल्ली एजेंसी। भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। रविवार को मैच के आखिरी दिन भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। कोलंबो में भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका XI ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-XI ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था।

भारत मैच जीतने के बाद भी क्यों खेला?

भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी

वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में KL राहुल ने कप्तानी की।
BCCI ने अपने बयान में कहा था- 'एहतियात के तौर पर गिल श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।'
जडेजा और बरार ने 2-2 विकेट लिए श्रीलंका-XI की दूसरी पारी में निशान फर्नांडो ने 63 रन बनाए, जबकि निपुन धनंजया ने 46 और अंजला बंडारा ने 35 रन का योगदान दिया। रमेश मेंडिस 16 रन बनाकर नाबाद रहे।
भारत की ओर से रवींद्र जडेजा और गुरनूर बरार ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट मिला।
पडिक्कल ने नाबाद 142 रन बनाए- भारत ने पहली पारी में 90 ओवर में 6 विकेट पर 357 रन बनाकर पारी घोषित की। देवदत्त पडिक्कल ने 142 रन की नाबाद पारी खेली।

55 साल में पूरी तरह बदल गया वनडे क्रिकेट

60 ओवर से 50 ओवर तक पहुंचा; डे-नाइट मैच और सुपर ओवर...हर बड़े बदलाव की कहानी

नई दिल्ली एजेंसी। 5 जनवरी 1971 को बारिश से धुले एक टेस्ट मैच की भरपाई के लिए शुरू हुआ वनडे फॉर्मेट आज मैचों की संख्या के लिहाज से क्रिकेट का सबसे बड़ा फॉर्मेट बन चुका है।

इन 55 सालों में क्रिकेट के सबसे ज्यादा प्रयोग भी इसी फॉर्मेट में हुए। तीसरे अंपायर से लेकर डे-नाइट क्रिकेट, सफेद गेंद, पावरप्ले, DRS, DLS और सुपर ओवर तक लगभग हर बड़ा बदलाव सबसे पहले वनडे में ही लागू हुआ। 5 चैप्टर में वनडे क्रिकेट के बदलने की कहानी...

रद्द टेस्ट मैच से हुई थी वनडे की शुरुआत- पहला वनडे 5 जनवरी 1971 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। इंग्लैंड दौरे का तीसरा टेस्ट लगातार चार दिन बारिश में धुल गया था। दर्शकों को खाली हाथ लौटने से बचाने के लिए आखिरी दिन 40-40 ओवर का एक सीमित ओवर मैच कराया गया। उस समय खिलाड़ियों ने सफेद कपड़े पहने थे और लाल गेंद से मैच खेला गया। तब किसी ने नहीं सोचा था कि यही क्रिकेट के सबसे लोकप्रिय फॉर्मेट्स में से एक की शुरुआत होगी।

25 साल तक वनडे का कोई तय फॉर्मेट ही नहीं था- आज 50 ओवर का वनडे सामान्य बात है, लेकिन शुरुआत में ऐसा नहीं था। पहला वनडे 40-40 ओवर का था और उसमें 8 गेंद का ओवर होता था। इंग्लैंड 55 ओवर के मैच कराता था, जबकि 1975 और 1979 के पहले दो वर्ल्ड कप 60 ओवर के हुए। न्यूजीलैंड में 35 ओवर, वेस्टइंडीज में 45 ओवर और पाकिस्तान में अलग-अलग समय पर 35, 40 और 50 ओवर के मुकाबले खेले गए। शुरुआती दौर में हर देश अपनी

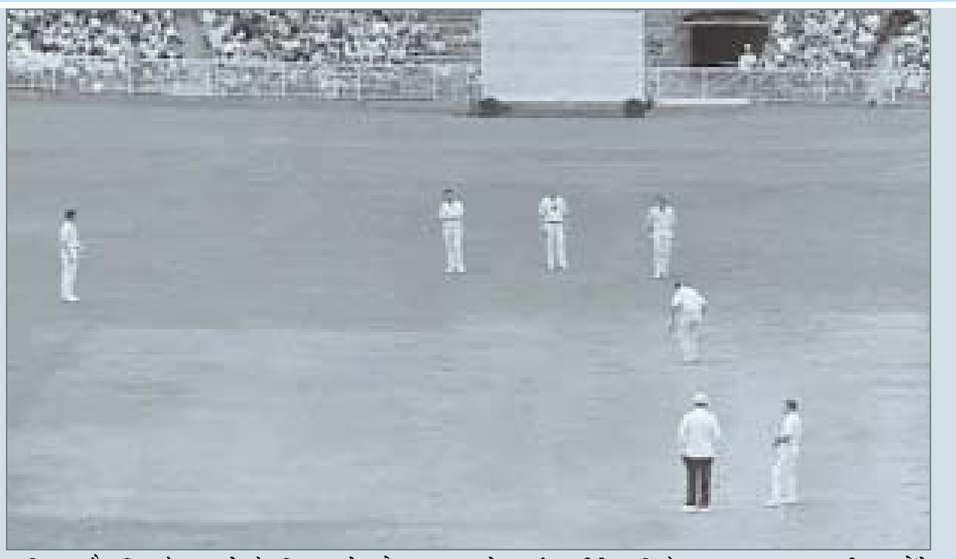

सुविधा और दिन के उजाले के हिसाब से ओवर तय करता था। बाद में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में समानता लाने के लिए 50 ओवर का फॉर्मेट अपनाया गया। 1978 में वेस्टइंडीज पहला देश बना जिसने 50 ओवर के वनडे कराए। फिर ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने इसे अपनाया। 1987 का वर्ल्ड कप पहली बार 50 ओवर का हुआ, लेकिन तब भी इंग्लैंड 55 ओवर के वनडे खेलता रहा। आखिरकार 1996 वर्ल्ड कप के बाद पूरी दुनिया में 50 ओवर का फॉर्मेट लागू हो गया।

केरी पैकर विवाद ने क्रिकेट की तस्वीर बदल दी- 1977 में ऑस्ट्रेलियाई मीडिया कारोबारी केरी पैकर ने वर्ल्ड सीरीज क्रिकेट (WSC) शुरू की। उन्होंने दुनिया के बड़े खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट पर लेकर अलग टूर्नामेंट कराया। इसमें सभी बड़े खिलाड़ियों ने पेस्टल रंगों की जर्सी पहनी। इस सीरीज के बाद क्रिकेट में तीन बदलाव आए। रंगीन जर्सी : 1978-79 सीजन में पहली बार टीमें रंगीन जर्सी पहनकर मैदान पर उतरीं। ऑस्ट्रेलिया ने पीली, वेस्टइंडीज ने गुलाबी और वर्ल्ड-11 ने नीली जर्सी पहनी।

डे-नाइट मैच : WSC में पहली बार फ्लडलाइट्स में डे-नाइट मैच खेले गए। बाद में यही इंटरनेशनल क्रिकेट का हिस्सा बन गया।

सफेद गेंद : रात में लाल गेंद साफ दिखाई नहीं देती थी, इसलिए पहली बार सफेद गेंद का इस्तेमाल हुआ। 1992 वर्ल्ड कप पहला ICC टूर्नामेंट बना, जिसमें रंगीन जर्सी, डे-नाइट मैच और सफेद गेंद तीनों का इस्तेमाल हुआ।

1992 वर्ल्ड कप पहला ICC टूर्नामेंट बना, जिसमें डे-नाइट मैच और सफेद गेंद का इस्तेमाल हुआ। (फोटो- डॉन इमेज)

1992 वर्ल्ड कप पहला ICC टूर्नामेंट बना, जिसमें डे-नाइट मैच और सफेद गेंद का इस्तेमाल हुआ। (फोटो- डॉन इमेज)

एक कप्तान ने 10 फील्डर बाउंड्री पर लगा दिए, फिर आया पावरप्ले

वनडे में फील्डिंग नियम भी एक घटना के बाद बदले। 1979 में इंग्लैंड के कप्तान माइक ब्रियरली ने आखिरी गेंद पर विकेटकीपर समेत सभी 10 फील्डर बाउंड्री पर लगा दिए। बल्लेबाज के लिए चौका या छक्का लगाना लगभग असंभव हो गया।

इसके बाद फील्डिंग रिस्ट्रिक्शन लाया गया। 1992 वर्ल्ड कप में इन्हें पहली बार माना गया। 2005 में पावरप्ले आया।

2008, 2011 और 2012 में इसके नियम बदले गए। 2015 से मौजूदा फील्डिंग नियम लागू हैं।

बारिश के नियम सबसे ज्यादा बदले वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा प्रयोग बारिश से प्रभावित मैचों के नियमों में हुए। शुरुआत में हर देश अपने हिसाब से नियम बनाता था। कहीं रनरेट से नतीजा निकलता था तो कहीं पहले 45 ओवर के स्कोर से फैसला होता था।

- **सफेद गेंद ने खत्म की रिवर्स स्विंग, फिर बदला नियम-** 2001 तक लाल गेंद पूरी तरह वनडे से बाहर हो गई। लेकिन सफेद गेंद जल्दी गंदी होने लगी, इसलिए ICC ने एक पारी में दो नई गेंदों का नियम लागू किया। इससे गेंद ज्यादा देर नई रही और रिवर्स स्विंग लगभग खत्म हो गई। इसके बाद गेंदबाजों की शिकायतों को देखते हुए 2025 में नियम बदला गया। अब 34 ओवर के बाद गेंदबाजी टीम दोनों में से किसी एक पुरानी गेंद से बाकी ओवर करा सकती है, जिससे रिवर्स स्विंग की संभावना बढ़ जाती है। 2019 में इंग्लैंड के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद सुपर ओवर नियम में आखिरी बदलाव हुआ। 2019 में इंग्लैंड के वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद सुपर ओवर नियम में आखिरी बदलाव हुआ।
- **55 साल में बल्लेबाजी पूरी तरह बदल गई-** वनडे के शुरुआती 1000 मैचों में पहली पारी का औसत स्कोर 213.9 रन था। पिछले 1000 मैचों में यह बढ़कर 249.97 रन हो गया। पहले 3000 मैचों में केवल 360 बार टीमें 300 रन के पार पहुंची थीं, जबकि पिछले 1000 मैचों में ही 321 बार 300+ स्कोर बने। इनमें 86 बार स्कोर 350 रन से भी ज्यादा रहा। अब टीमें लक्ष्य का पीछा करते हुए भी 300 रन आसानी से बना रही हैं। बैटिंग औसत 26.39 से बढ़कर 29.03 हो गया है, जबकि स्ट्राइक रेट 66.15 से बढ़कर 83.4 पहुंच गया। पहले जहां हर 127 गेंद पर एक छक्का लगता था, अब हर 55.42 गेंद पर छक्का लग रहा है। गेंदबाज भी पहले से ज्यादा विकेट ले रहे हैं और पांच विकेट लेने की घटनाएं भी लगभग दोगुनी हो गई हैं।
- **टी-20 ने वनडे को चुनौती दी, लेकिन खत्म नहीं कर पाया-** 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप और उसके बाद दुनिया भर में शुरू हुई फ्रेंचाइजी लीगों के कारण द्विपक्षीय वनडे सीरीज कम हो गई हैं। इसके बावजूद वनडे वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे टूर्नामेंट इस फॉर्मेट को पॉपुलर बनाए हुए हैं।

दीनदयाल शोध संस्थान का महिला कार्यकर्ता परिवार एवं सावन मिलन सम्मेलन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा दीनदयाल परिसर स्थित लोहिया भवन में महिला कार्यकर्ता परिवार एवं सावन मिलन सम्मेलन का आयोजन किया गया कार्यक्रम में संस्थान के विभिन्न प्रकल्पों की महिला कार्यकर्ताओं एवं कार्यरत कर्मचारियों के परिवारों से करीब 150 महिलाएं शामिल हुईं। खास बात यह रही कि कई परिवारों की दो, तीन और चार पीढ़ियों की महिलाएं भी एक साथ कार्यक्रम में शामिल हुईं सावन मिलन के अवसर पर महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। परिसर में सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया, जहां महिलाओं ने सावन उत्सव की यादों को तस्वीरों में संजोया इसके अलावा मेहंदी झूला और विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन हुआ महिलाओं ने डांस सहित अन्य गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम के दौरान दीनदयाल शोध संस्थान की सचिव अपराजिता शुक्ला ने सपरिवार सामूहिक रुद्राभिषेक किया इसके बाद उपस्थित महिलाओं ने भगवान शंकर की पूजा-अर्चना की सावन की थीम के अनुरूप महिलाएं हरे रंग की साड़ियों और सोलह श्रृंगार में नजर आईं कार्यक्रम में संस्थान के उपाध्यक्ष उत्तम बनर्जी राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन सह-संगठन सचिव अनिल अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष वसंत पंडित उपस्थित रहे। उत्तम बनर्जी ने अपने संबोधन में पंच परिवर्तन की अवधारणा पर चर्चा करते हुए सामाजिक समरसता कुटुंब प्रबोधन नागरिक कर्तव्यों का पालन और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया उन्होंने कहा कि परिवार को संगठित और सुखी बनाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है महिलाओं को परिवार के साथ आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने के लिए भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए कोषाध्यक्ष वसंत पंडित ने नई पीढ़ी के पालन-पोषण और बच्चों पर मोबाइल के बढ़ते प्रभाव को लेकर अभिभावकों को सतर्क रहने की सलाह दी अंत में अभय महाजन ने आयोजन के लिए सभी कार्यकर्ता परिवारों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष चित्रकूट साधना पटेल, दिव्या त्रिपाठी, संगीता जैन, रूपा अग्रवाल, डॉ. भारती श्रीवास्तव, रीना मालवीय, सीमा पांडे, अंतिमा जायसवाल, शशि त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

अभियान में सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों के निराकरण को प्राथमिकता दें: कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में मुख्यमंत्री जन विष्वास अभियान की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा कि 7 अगस्त से 8 जनवरी तक चलने वाले मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में प्रति शुक्रवार को आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में जिला अधिकारी अपने विभागों की लंबित सीएम हेल्पलाइन और समय-सीमा में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों के निराकरण को प्राथमिकता दें। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर ने 7 अगस्त को आयोजित शिविर और भ्रमण कार्यक्रम की समीक्षा की तथा फीडबैक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर डीएफओ मयंक चांदीवाल, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एडीशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे, एसडीएम

महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, एलआर जांगडे, राहुल सिलाडिया, सुमेश द्विवेदी, सुभाष मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते सहित विभाग प्रमुख अधिकारी, जनपद के सीईओ तथा नगरीय निकाय के सीएमओ उपस्थित रहे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की मुख्य सचिव म.प्र. शासन की वीसी में दिये गये निर्देशों की जानकारी में कलेक्टर ने बताया कि अभियान के तहत जिले में ब्लाक स्तर, तहसील स्तर पर रोस्टर निर्धारित किया गया है। रोस्टर के अनुसार जिन तहसीलों में कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित होगा, उसमें जिला स्तर के अधिकारी मौजूद रहेंगे इसके अलावा जिले के अन्य ब्लाकों में जहां रोस्टर का दिन निर्धारित नहीं है उन क्षेत्रों में भी शुक्रवार को तहसील और विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में क्षेत्र भ्रमण शिकायतों का निराकरण, संस्थाओं का निरीक्षण एवं जनता से संवाद करेंगे। कलेक्टर ने बताया कि जिस जिले में मुख्यमंत्री जी का अभियान में भ्रमण होगा उस शुक्रवार को जिला स्तर पर शिविर जनसंवाद निरीक्षण भ्रमण जिला मुख्यालय में आयोजित किया जायेगा जिले में 9 अगस्त से 17 अगस्त तक जनभागीदारी के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है कलेक्टर ने जनपद पंचायतों नगरीय निकाय, संस्थाओं, स्कूल, कॉलेज, ग्राम पंचायत एवं संस्थानों में तिरंगा रैली एवं अन्य आयोजन गरिमा और संवेदनशीलता के साथ करने के निर्देश दिये है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग प्रमुख जिन्हें जो भी जिम्मेदारी दी गई है उसे 13 अगस्त तक पूर्ण कराये समारोह का फाइनल रिर्हसल 13 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउण्ड में प्रात: 9 बजे से किया जायेगा समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य एवं उपलब्धियों के लिए पुरूस्कृत होने वाले अधिकारी-कर्मचारी प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं अन्य उत्कृष्ट उपलब्धियों को हासिल करने वाले व्यक्तियों को पुरूस्कृत करने का प्रस्ताव सोमवार शाम तक उपलब्ध कराये। कलेक्टर ने जनगणना कार्य की समीक्षा में कहा कि जनगणाना की हैण्डबुक की पूर्तियां कर अतिशीघ्र चार्ज अधिकारियों को प्रस्तुत कर दें अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि सभी विभागों में पदोन्नति के पश्चात तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पद रिक्त हुए है विभागीय निर्देशों और नियमानुसार अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरण निराकृत करें समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा के अधिकारियों ने कार्यालयों एवं संस्थानों में सोलर संयंत्र लगाने की योजना की जानकारी दी उन्होंने बताया कि जिले के 20 किलोवाट से अधिक लोड वाले सभी शासकीय कार्यालयों में सोलर एनर्जी संयंत्र लगाये जायेंगे।

पहली बार रक्तदान कर अभि और वीर प्रताप बने रक्तवीर

युवाओं में बढ़ती जागरूकता बनी उम्मीद की किरण, जरूरतमंदों का जीवन बचाने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रक्तदान को लेकर युवाओं में बढ़ती जागरूकता समाज के लिए उम्मीद की किरण बन रही है इसी क्रम में अभि साहू एवं वीर प्रताप सिंह सोमवंशी*ने पहली बार रक्तदान कर मानव सेवा की दिशा में प्रेरणादायक कदम उठाया। दोनों युवाओं ने रक्तदान को महादान बताते हुए समाज के अन्य युवाओं से भी इस सेवा कार्य में आगे आने की अपील की पहली बार रक्तदान करने के बाद अभि साहू और वीर प्रताप सिंह सोमवंशी ने कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम है। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी गंभीर जरूरत के समय दूसरे व्यक्ति के लिए जीवन का सहारा बन सकता है

उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि जरूरत के समय मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके रक्तदान की प्रक्रिया में शारदा जी का विशेष सहयोग रहा उनके सहयोग से दोनों युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया और मानव सेवा में अपनी सहभागिता दर्ज कराई रक्तदान के लिए युवाओं को किया प्रेरित रक्त प्रेरक एवं सिंधु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने अभि साहू और वीर प्रताप सिंह सोमवंशी के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान केवल महादान ही नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन देने का सबसे बड़ा संकल्प है उन्होंने कहा कि युवाओं में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ना समाज के लिए सकारात्मक संकेत है उन्होंने कहा कि अभि और वीर प्रताप का पहला रक्तदान निश्चित रूप से अन्य युवाओं को भी प्रेरित करेगा युवाओं को स्वस्थ रहने के साथ जरूरतमंदों की मदद के लिए नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए दोनों युवाओं के सेवाभावी जज्बे की समिति परिवार एवं समाजसेवियों ने सराहना की और उन्हें रक्तवीर बनने पर शुभकामनाएं दीं इस अवसर पर रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से आगे आने की अपील की गई।

भोपाल में हुआ सतना की प्रतिभाओं का भव्य सम्मान

भारतीय सिंधू सभा एवं सिंधी मेला समिति के प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधू सभा एवं सिंधी मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 9 अगस्त को भोपाल के रवींद्र भवन में प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में प्रदेशभर के साथ सतना सिंधी समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धर्मेंद्र सिंह लोधी संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्य मंत्री, विधायक भगवान दास सबनानी, भारतीय सिंधू सभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश वाधवानी, पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी, डीआरएस जबलपुर कमल

तलरेजा मनोवैज्ञानिक कला मोहन प्रांतीय अध्यक्ष गुलाब ठाकुर, महामंत्री महेश ठारवानी, मनीष दरियानी एवं नरेश तलरेजा सहित अन्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही समारोह में सतना से भारतीय सिंधू सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा, सतना शाखा अध्यक्ष अशोक चांदवानी, महामंत्री विनोद गेलानी, रंजीत सेनानी एवं मनीश सदानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया कि समारोह में विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सतना के सम्मानित विद्यार्थियों में मानसी गुलवानी, भूमि आहूजा, सिमरन आहूजा, अनुष्का वलेजा, अर्नित छतानी, मयंक गंगवानी, लवली सेवानी, ज्योति छुट्टानी, सुमति बाशानी, हर्षिता आहूजा, टेनुल भक्तानी, लक्ष्य भक्तानी, क्रिस्टी सीरवानी, सत्यम कापड़ी, भव्य गंगवानी एवं सेतु मीरानी सहित अन्य प्रतिभाएं शामिल रहीं आयोजकों ने बताया कि समारोह का उद्देश्य केवल प्रतिभाओं का सम्मान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण और समाज कल्याण के लिए प्रेरित करना भी है। विद्यार्थियों की उपलब्धियों का अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई भारतीय सिंधू सभा सतना शाखा ने सभी सम्मानित छात्र-छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सफलता समाज के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

दो पहिया वाहन चालक अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाये : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने कहा है कि जिला मुख्यालय तहसील विकासखण्ड एवं ग्राम स्तर पर दो पहिया वाहन चलाने वाले शासकीय अधिकारी-कर्मचारी अपने सुरक्षा के लिए हेलमेट अनिवार्य रूप से लगाये उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट रोड सेफ्टी कमेटी की बैठक के निर्देशानुसार एजुकेशन इंस्टीट्यूट में अध्ययनरत छात्र-छात्रायें, आम नागरिकों को भी जागरूक कर हेलमेट अपनाने की अनिवार्यता बताये सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न रोड सेफ्टी कमेटी की बैठक में डीएफओ मयंक चांदीवाल, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एडीशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, जीतेन्द्र वर्मा, एलआर जांगडे, राहुल सिलाडिया, सुमेश द्विवेदी, सुभाष मिश्रा, आरटीओ रवि बरेलिया, ट्रैफिक सूबेदार, जिला शिक्षा अधिकारी सलोनी शर्मा, सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर ने कहा कि सडक दुर्घटनाओं में मृत्यु का प्रमुख कारण ओव्हर स्पीड लांग ड्राइविंग सीटबेल्ट नहीं बांधने तथा हेलमेट नहीं पहनना पाया गया है सभी वाहन चालक चार पहिया वाहनों में सीटबेल्ट और दो पहिया वाहन चालक हेलमेट अनिवार्य रूप से धारण करें सडक दुर्घटनाओं में मृत्यु को रोकने की दिशा में प्रत्येक व्यक्ति को जागृत करने का प्रयास करें कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने बिना हेलमेट वाहन चलाने पर अर्थदण्ड के प्रावधानों की जानकारी में बताया कि परिवहन विभाग के उच्च अधिकारी से लेकर आरटीओ. पुलिस अधीक्षक से लेकर टीआई और राजस्व में प्रत्येक कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को नियमों के उल्लंघन पाये जाने पर हेलमेट के लिए प्रथम बार 300 रूपये और द्वितीय बार 300 रूपये का स्पाट फाइन कर वसूलने का अधिकार दिया गया है।

रोटरी क्लब सतना ने आयोजित किया ओरिएंटेशन कार्यक्रम

50 रोटेरियनों ने लिया हिस्सा, सेवा गतिविधियों, नेतृत्व विकास और संगठन की कार्यप्रणाली की दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब सतना द्वारा सार्थक हॉस्पिटल में रोटरी ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में क्लब के करीब 50 रोटेरियन एवं सदस्यों ने सहभागिता की आयोजन का उद्देश्य नए एवं वर्तमान सदस्यों को रोटरी की कार्यप्रणाली, सेवा गतिविधियों और संगठन के मूल उद्देश्यों से अवगत कराना रहा पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सुनील अग्रवाल क्लब अध्यक्ष नितेश बडेरिया, सचिव राजीव अग्रवाल एवं मुख्य प्रशिक्षक द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया रोटरी के इतिहास और सेवा कार्यों की दी जानकारी मुख्य प्रशिक्षक शरद पांडेय ने रोटरी के इतिहास, उद्देश्यों, सेवा गतिविधियों और नेतृत्व विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। उन्होंने RYLA जैसे

कार्यक्रमों के साथ बड़े सामाजिक प्रोजेक्ट्स के लिए रोटरी फाउंडेशन से मिलने वाले सहयोग की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला कार्यक्रम में कुशाग्र बंसल ने रोटरी के मूल सिद्धांतों एवं सेवा भावना पर विचार रखे सनातन अग्रवाल ने Four-Wa4 Test तथा उसके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में महत्व को समझाया विनोद गोयल ने रोटरी प्रोजेक्ट्स के लिए फंडिंग प्रक्रिया और प्रस्तावित मेडिकल किट योजना की जानकारी दी। वहीं अशोक गुप्ता ने रोटरी की असेंबली, कॉन्फ्रेंस और संगठनात्मक संरचना के बारे में विस्तार से बताया रोटरी क्विज रहा आकर्षण का केंद्र कार्यक्रम का विशेष आकर्षण Rotar4 Qui5 रहा, जिसका संचालन रोटेरियन वंदना गुप्ता ने किया प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक क्विज में हिस्सा लिया विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के समापन अवसर पर क्लब सचिव राजीव अग्रवाल ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया इसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बिरसा मुंडा प्रतिमा विवाद पर पर्दा डालना बंद करे प्रशासन: एडवोकेट आनंद श्रीवास्तव

आप नेता ने घटनास्थल के मूल वीडियो-फोटो सार्वजनिक करने और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। बदेरा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सारंग के बरेली गांव में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा तेज कर दी है सोशल मीडिया पर प्रतिमा के कथित रूप से क्षतिग्रस्त होने से जुड़े वीडियो और समाचार सामने आने के बाद प्रशासन द्वारा प्रतिमा सुरक्षित होने का दावा किए जाने पर आम आदमी पार्टी के जिला विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं अधिवक्ता आनंद श्रीवास्तव ने सवाल उठाए हैं एडवोकेट श्रीवास्तव ने कहा कि यदि प्रतिमा पूरी तरह सुरक्षित है तो प्रशासन को घटनास्थल के मूल वीडियो, फोटो और अतिक्रमण हटाने की पूरी कार्रवाई का रिकॉर्ड सार्वजनिक

करना चाहिए उन्होंने कहा कि केवल बयान जारी करने के बजाय प्रशासन को मामले में पारदर्शिता बरतनी चाहिए उन्होंने प्रतिमा की स्थिति को लेकर उठ रहे सवालों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की आनंद श्रीवास्तव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के स्वाभिमान, संघर्ष और अस्मिता के प्रतीक हैं। उनके अनुसार, यदि कार्रवाई के दौरान प्रतिमा को किसी प्रकार की क्षति पहुंची है तो यह गंभीर मामला है और इससे आदिवासी समाज की भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं उन्होंने प्रशासन पर मामले में पर्याप्त पारदर्शिता नहीं बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि तथ्यों को सामने लाने से ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रशासन को अपने दावे के समर्थन में उपलब्ध साक्ष्य सार्वजनिक करने चाहिए और जांच रिपोर्ट भी सामने रखनी चाहिए आप नेता ने कहा कि कानून का राज तभी कायम रह सकता है जब सरकारी कार्रवाई निष्पक्ष और पारदर्शी हो उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी व्यक्ति की लापरवाही या भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा कि प्रशासन को किसी भी समुदाय की आस्था सम्मान और भावनाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए।

सांसद जनार्दन मिश्रा की टिप्पणी पर सियासत गरमाई, कांग्रेस अध्यक्ष ने मांगी माफी

शुद्ध पेट्रोल तुम्हारा बाप देगा' बयान पर धर्मेश घई 'रोमी' ने जताई आपत्ति, बोले- जनप्रतिनिधि भाषा की मर्यादा रखें

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा की एक टिप्पणी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है 9 अगस्त को रीवा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लेकर दिए गए कथित बयान पर मैहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेश घई रोमी ने कड़ी आपत्ति जताई है उन्होंने टिप्पणी को अशोभनीय बताते हुए सांसद से सार्वजनिक रूप से देश और प्रदेश की जनता से माफी मांगने की मांग की है बताया गया कि कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला भी मौजूद थे पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग के मुद्दे पर चर्चा के दौरान सांसद जनार्दन मिश्रा ने कथित तौर पर शुद्ध पेट्रोल तुम्हारा बाप देगा टिप्पणी की बयान का वीडियो सामने आने के बाद इस पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं शुरू हो गई हैं।

भाषा की मर्यादा रखने की अपील: मैहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई रोमी ने सांसद की टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे जनप्रतिनिधि से सार्वजनिक मंच पर जिम्मेदार और मर्यादित भाषा की अपेक्षा की जाती है उन्होंने कहा कि आम जनता और उपभोक्ताओं से जुड़े विषयों पर संवाद करते समय ऐसी भाषा का इस्तेमाल लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है घई ने कहा कि पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जनता के सामने तथ्य और तर्क के साथ अपनी बात रखी जानी चाहिए। उनके अनुसार जनप्रतिनिधियों के सार्वजनिक वक्तव्य का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, इसलिए शब्दों के चयन में विशेष सावधानी आवश्यक है।

सार्वजनिक माफी की मांग: धर्मेश घई रोमी ने सांसद जनार्दन मिश्रा से कथित टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने पद की गरिमा और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का ध्यान रखना चाहिए सांसद की टिप्पणी से संबंधित वीडियो सामने आने के बाद मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है कांग्रेस ने इसे जनप्रतिनिधि के पद की गरिमा से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं वहीं इस मुद्दे पर आने वाले दिनों में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं और तेज होने की संभावना है।

कांवड़ यात्रा धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा के साथ प्रतीक है श्रद्धा और सामाजिक एकता का-मुख्यमंत्री

प्रदेश की समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए समुचित प्रबंधन कर रही है राज्य सरकार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए सभी समुचित प्रबंधन कर रही है सावन का पवित्र माह भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पर्व है मां नर्मदा का जल लेकर निकले कांवड़ यात्रियों का उत्साह अतुलनीय है संस्कार कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान शिव की भक्ति से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि का संचार हो

और प्रदेशवासियों का जीवन मंगलमय हो, यही कामना है कांवड़ यात्रियों को यथा-योग्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं प्रदेश के धर्म स्थलों पर सभी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं संस्कारधानी जबलपुर से शुरू हुई संस्कार कांवड़ यात्रा अद्भुत है, जिसमें पूज्य दादा गुरु के साथ हजारों कांवड़िये भक्ति भाव से साधना के मार्ग पर चल रहे हैं पूज्य दादा गुरु अन्न छोड़कर केवल नर्मदा मैया का जल गृहण कर स्वस्थ जीवन जी रहे है। उनका त्याग और तपस्या सभी के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सावन के दूसरे सोमवार को जबलपुर की संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री दादा गुरू के साथ कांवड़ उठाकर संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए उन्होंने कांवड़ियों तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित भी किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।